✷Website : www.kalamlok.com✷

वर्ष - 09 अंक - 317

बक्सर, मंगलवार 31 मार्च 2026

कलम लोक

<7|

पृष्ठ - 8
मूल्य 2 रू.

“ कठिनाइयाँ ही आपको मजबूत बनाती हैं। निर्णय लेने से मत डरें—गलत होंगे तो सीख मिलेगी।

तेहरान पर परमाणु हमला? यूएन डिप्लोमेट ने किया सनसनीखेज दावा; फिर दे दिया इस्तीफा

वाशिंगटन (एजेंसी)।

मिडिल ईस्ट में जारी तनाव के बीच संयुक्त राष्ट्र में डिप्लोमेट रहे पैट्रियटिक विजन एसोसिएशन के मुख्य प्रतिनिधि मोहम्मद सफा ने बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा है कि संयुक्त राष्ट्र तेहरान पर संभावित परमाणु हमले की तैयारी कर रहा है। हालांकि इस दावे के साथ ही सफा ने अपने सभी पदों से इस्तीफा दे दिया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपनी घोषणा में सफा ने लिखा कि वे इस 'मानवता के खिलाफ अपराध' के गवाह या हिस्सेदार नहीं बनना चाहते। उन्होंने अपनी सभी जिम्मेदारियां छोड़ दी हैं, ताकि 'न्यूक्लियर विंटर' को बहुत देर होने से पहले रोका जा सके। इस दौरान सफा ने आरोप लगाया कि संयुक्त राष्ट्र के कुछ वरिष्ठ अधिकारी किसी शक्तिशाली लॉबी के हितों की सेवा कर रहे हैं, न कि संयुक्त राष्ट्र के मूल सिद्धांतों की।

इस दौरान सफा ने अंतरराष्ट्रीय संगठन पर ईरान में संभावित परमाणु हथियारों के इस्तेमाल की स्थिति के लिए तैयारी करने का गंभीर आरोप लगाया है।

उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट के माध्यम से अपना इस्तीफा घोषित किया और एक पत्र भी जारी किया, जिसमें उन्होंने अपने फैसले के कारणों का विस्तार से उल्लेख किया। अपने पत्र में सफा ने कहा कि उन्होंने लंबे विचार-विमर्श के बाद यह निर्णय लिया है। उन्होंने दावा किया कि संयुक्त राष्ट्र के कुछ वरिष्ठ अधिकारी एक शक्तिशाली लॉबी के हितों की सेवा कर रहे हैं, न कि संगठन के मूल उद्देश्यों की। पोस्ट की शुरुआत उन्होंने तेहरान की एक तस्वीर के साथ की और लिखा कि मुझे नहीं लगता कि लोग स्थिति की गंभीरता को समझते हैं, क्योंकि संयुक्त राष्ट्र ईरान में संभावित परमाणु हथियारों के इस्तेमाल की तैयारी कर रहा है।

बहुत देर होने से पहले रोका जा सके

उन्होंने लिखा कि मैंने इस जानकारी को सार्वजनिक करने के लिए अपना राजनयिक करियर त्याग दिया है। मैंने अपने कर्तव्यों को निलंबित कर दिया ताकि मैं मानवता के खिलाफ इस अपराध का हिस्सा या गवाह न बनूं और न्यूक्लियर विंटर को बहुत देर होने से पहले रोका जा सके। इस दौरान सफा ने अमेरिका में हाल ही में हुए 'नो किंग्स' विरोध प्रदर्शनों का भी जिक्र किया, जहां करीब एक करोड़ लोगों ने हिस्सा लिया। उन्होंने परमाणु हथियारों की संभावना को बेहद गंभीर बताते हुए कहा कि इसे हल्के में नहीं लिया जाना चाहिए। अंत में उन्होंने अपील की कि अभी कार्रवाई करें। इस संदेश को दुनिया भर में फैलाएं। सड़कों पर उतरें। अपनी मानवता और भविष्य के लिए प्रदर्शन करें। केवल जनता ही इसे रोक सकती है। इतिहास हमें याद रखेगा।

तेहरान की तस्वीर के साथ पोस्ट

पोस्ट में उन्होंने आगे लिखा कि यह तेहरान की तस्वीर है। आप जैसे अनुभवहीन, कभी सेना में सेवा न कर चुके युद्ध के पैरोकारों के लिए, जो बमबारी के विचार से उत्साहित हो जाते हैं, यह कोई खाली रेगिस्तान नहीं है। यहां परिवार हैं, बच्चे हैं, पालतू जानवर हैं और सपने देखने वाले आम मेहनतकश लोग हैं। युद्ध की चाह रखना आपकी बीमारी है। सफा ने बताया कि तेहरान लगभग एक करोड़ लोगों का शहर है। उन्होंने पाठकों से वाशिंगटन, बर्लिन, पेरिस, लंदन या अन्य किसी बड़े शहर पर परमाणु हमले की कल्पना करने को कहा।

वैभव सूर्यवंशी के तूफान में उड़ी चेन्नई सुपर किंग्स, राजस्थान रायल्स ने 8 विकेट से बुरी तरह रौंदा

गुवाहाटी (एजेंसी)। राजस्थान रॉयल्स के गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के बाद हाल ही में अपना 15वां जन्मदिन मनाने वाले वैभव सूर्यवंशी की ताबड़तोड़ अर्धशतकीय पारी के बूते राजस्थान रॉयल्स ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) टी20 मैच में सोमवार को चेन्नई सुपरकिंग्स को 47 गेंद शेष रहते आठ विकेट से रौंदकर अपने अभियान का बेहतरीन तरीके से आगाज किया।

जैमी ओवरटन की 36 गेंदों में 43 रन की पारी के बावजूद चेन्नई सुपरकिंग्स की टीम 19.4 ओवर में 127 रन पर आउट हो गई। मैन ऑफ द मैच बर्गर, जोफ्रा आर्चर, रविंद्र जडेजा ने दो-दो विकेट लेकर राजस्थान की ओर से शानदार गेंदबाजी का प्रदर्शन किया।

सूर्यवंशी ने 17 गेंदों की पारी में चार चौकों और पांच छक्कों की मदद से 52 रन बनाए, जिससे जीत के लिए मिले 128 रन के लक्ष्य को राजस्थान रॉयल्स ने 12.1 ओवर में दो विकेट पर हासिल कर लिया। यह मैच में बची हुई गेंदों के लिहाज से राजस्थान की सबसे बड़ी जीत है। सूर्यवंशी ने अपना अर्धशतक महज 15 गेंदों में पूरा कर अपने 15वें जन्मदिन के तीन दिन बाद खुद को शानदार तोहफा दिया। उन्हें यशस्वी जायसवाल का अच्छा साथ मिला। दोनों ने महज 38 गेंदों में 75 रन की साझेदारी कर पावरप्ले में ही टीम की जीत लगभग पक्की कर दी थी। अंशुल कंबोज ने चेन्नई के लिए दो विकेट लिए, लेकिन यह राजस्थान की तूफानी बल्लेबाजी को रोकने के लिए काफी नहीं था। लक्ष्य का पीछा करते हुए सूर्यवंशी ने मैट हेनरी का स्वागत चौके और छक्के से करने के बाद उनके अगले ओवर में एक और छक्का जड़कर आक्रामक तेवर दिखाए। उन्होंने आक्रामक तेवर जारी रखते हुए अंशुल कंबोज की लगातार गेंदों पर चौका लगाने के बाद लॉन्ग ऑन के ऊपर से छक्का जड़ा, जिससे टीम ने पांचवें ओवर में 50 रन पूरे किए। सूर्यवंशी ने छठे ओवर में गेंदबाजी के लिए आए नूर अहमद के खिलाफ लगातार दो छक्कों के साथ 15 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया। यह राजस्थान के लिए दूसरा सबसे तेज और किसी भारतीय बल्लेबाज का इस लीग में तीसरा सबसे तेज अर्धशतक है। हालांकि, सूर्यवंशी अगले ओवर में कंबोज की गेंद पर सरफराज खान को कैच दे बैठे।

1 अप्रैल से बदलेंगे काम के नियम

करोड़ों कर्मचारियों की सैलरी से ओवर टाइम तक बदलाव डालेगा बड़ा असर?

नई दिल्ली (एजेंसी)। 1 अप्रैल 2026 से देश में नए श्रम कानून लागू होने जा रहे हैं, जो कर्मचारियों की सैलरी, ओवरटाइम, काम के घंटे और सामाजिक सुरक्षा से जुड़े नियमों को पूरी तरह बदल देंगे। केंद्र सरकार ने चारों लेबर कोड के नियम लगभग तैयार कर लिए हैं। यह बदलाव करोड़ों कर्मचारियों और कंपनियों दोनों पर सीधा असर डालेंगे।

चार नए श्रम कोड, वेतन संहिता, सामाजिक सुरक्षा संहिता, औद्योगिक संबंध संहिता और व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य और कार्य स्थितियां संहिता को 44 श्रम कानूनों को एक सरल ढांचे में समेटने के लिए बनाया गया है। इनमें कुल 29 प्रावधान होंगे, जिससे पहले की जटिल कानूनी व्यवस्था सरल और पारदर्शी हो जाएगी। सरकार ने इन कोडों को 21 नवंबर 2025 से अधिसूचित कर दिया था, और ड्राफ्ट नियमों को सार्वजनिक सलाह के लिए रखा गया था। जनवरी तक आए सुझावों के बाद मंत्रालय ने केंद्रीय स्तर पर इनके क्रियान्वयन के नियमों को अंतिम रूप दे दिया है। नए श्रम कोडों के तहत, काम के मानक घंटे पहले की तरह 8 घंटे प्रतिदिन और 48 घंटे साप्ताहिक रहेंगे।

ईरान युद्ध के बीच आईएमएफ का बड़ा अलर्ट

मिडिल ईस्ट तनाव से हिलने वाली है वैश्विक अर्थव्यवस्था

तेहरान (एजेंसी)। मिडिल ईस्ट तनाव के बीच अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष ने चेतावनी दी है। उसने कहा है कि मध्य पूर्व में ईरान युद्ध ने सीमावर्ती देशों की अर्थव्यवस्थाओं को गंभीर रूप से प्रभावित किया है। साथ ही कई ऐसी अर्थव्यवस्थाओं की संभावनाएं धूमिल कर दी हैं, जो हाल ही में पिछले संकटों से उबरना शुरू कर रही थीं। आईएमएफ के शीर्ष अर्थशास्त्रियों द्वारा जारी एक ब्लॉग पोस्ट में कहा गया है कि 28 फरवरी को अमेरिका और इजरायल द्वारा ईरान पर शुरू किए गए हमलों से उत्पन्न युद्ध वैश्विक स्तर पर एक असममित झटका पैदा कर रहा है, जिससे वित्तीय स्थितियां और अधिक कठिन हो गई हैं।

आईएमएफ ने स्पष्ट किया कि युद्ध का प्रभाव इस बात पर निर्भर करेगा कि संघर्ष कितने समय तक चलता है, कितना फैलता है और बुनियादी ढांचे तथा आपूर्ति श्रृंखलाओं को कितना नुकसान पहुंचाता है। संगठन ने सदस्य देशों से आग्रह किया है कि इस झटके से निपटने के लिए कोई भी नीतिगत उपाय सावधानीपूर्वक तय करें। आईएमएफ ने कहा कि वह जहां जरूरत हो, सदस्य देशों को नीतिगत सलाह और वित्तीय सहायता प्रदान कर रहा है तथा यह अंतरराष्ट्रीय समुदाय के समन्वय से किया जा रहा है।

आईएमएफ की ओर से यह बयान ऐसे समय में आया है जब जी-7 के वित्त मंत्रियों ने ऊर्जा बाजार की स्थिरता बनाए रखने और हाल की अस्थिरता से उत्पन्न व्यापक आर्थिक दुष्प्रभावों को सीमित करने के लिए 'सभी आवश्यक उपाय' करने का संकल्प लिया है। वहीं, अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी के अनुसार, ईरान द्वारा होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद करने और क्षेत्रीय बुनियादी ढांचे को हुए नुकसान के कारण वैश्विक तेल बाजार में इतिहास का सबसे बड़ा व्यवधान उत्पन्न हुआ है। सामान्यत: वैश्विक तेल का 25-30 प्रतिशत और द्रवीकृत प्राकृतिक गैस का 20 प्रतिशत हिस्सा इसी संकरे जलमार्ग से गुजरता है। उन्होंने बताया कि एशिया और यूरोप के बड़े ऊर्जा आयातक देशों को ईंधन और अन्य आवश्यक वस्तुओं की बढ़ती कीमतों का सबसे अधिक खामियाजा भुगतना पड़ रहा है, जबकि अफ्रीका और एशिया के कई देश बढ़ी हुई कीमतों पर भी अपनी जरूरत की आपूर्ति प्राप्त करने में कठिनाई महसूस कर रहे हैं।

खाद्य असुरक्षा के खतरे में सबसे गरीब देश

आईएमएफ के ब्लॉग में कहा गया है कि खाद्य पदार्थों और उर्वरकों की बढ़ती कीमतों को देखते हुए कम आय वाले देश खाद्य असुरक्षा के विशेष जोखिम में हैं। कई विकसित अर्थव्यवस्थाएं अपनी अंतरराष्ट्रीय सहायता में कटौती कर रही हैं, ऐसे में इन देशों को अधिक बाहरी समर्थन की आवश्यकता हो सकती है। अर्थशास्त्रियों ने लिखा है कि युद्ध वैश्विक अर्थव्यवस्था को अलग-अलग तरीकों से प्रभावित कर सकता है, लेकिन सभी रास्ते उच्च

भारत आने वाले विमान पर हमले से आग बबूला हुआ ईरान

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी हवाई हमले के दौरान महान एयर का विमान क्षतिग्रस्त हो गया है। रिपोर्टों के अनुसार, यह विमान दवाओं सहित मानवीय आपूर्ति के लिए नई दिल्ली पहुंचने वाला था। यह घटना ऐसे समय में हुई है जब ईरान भारत के साथ मानवीय शिपमेंट का काम मिलकर कर रहा है।

ईरान से भारत आने वाले विमान पर अमेरिका ने अटैक कर दिया। अब इसे लेकर ईरान ने नाराजगी जाहिर की है और इस घटना को वॉर क्राइम करार दिया है। साथ ही अमेरिका पर अंतरराष्ट्रीय कानूनों के उल्लंघन के आरोप लगा दिए हैं। खबर है कि विमान पर हमला ईरान के मशहद इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर हुआ है। महान एयर का यह विमान मानवीय राहत सामग्री लेकर भारत के लिए उड़ान भरने की तैयारी कर रहा था। भारत में ईरान के दूतावास ने इस हमले की निंदा की है।

6000 लोगों ने सरेंडर कर दिया अपना एलपीजी कनेक्शन, सरकार ने इन्हें दिया 3 महीने का अल्टीमेटम

नई दिल्ली (एजेंसी)। सरकार द्वारा पीएनजी (पाइप्ड नेचुरल गैस) को बढ़ावा देने और एलपीजी (तरलीकृत पेट्रोलियम गैस) की सप्लाई को सुव्यवस्थित करने के प्रयासों के बीच एक बड़ी खबर सामने आई है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के अनुसार, शनिवार तक 6000 पीएनजी उपभोक्ताओं ने अपने एलपीजी कनेक्शन सरेंडर कर दिए हैं।

इस विषय पर मंत्रालय के सचिव नीरज मित्तल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर इन उपभोक्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा, 'कल तक 6000 पीएनजी उपभोक्ताओं ने अपनी एलपीजी सरेंडर कर दी! उन्हें बहुत-बहुत धन्यवाद!!' उन्होंने अन्य पीएनजी यूजर्स से भी अपील की कि वे उन लोगों की मदद के लिए अपना एलपीजी कनेक्शन छोड़ दें, जिनके पास अभी तक पीएनजी की सुविधा नहीं है। सरकार की योजना है कि जिन घरों में पीएनजी का एक्सेस यानी पाइपलाइन की पहुंच है, लेकिन उन्होंने अभी तक कनेक्शन नहीं लिया है तो वहां तीन महीने बाद एलपीजी सिलेंडर की सप्लाई रोक दी जाएगी। यह नियम उन जगहों पर लागू नहीं होगा जहां पीएनजी की सप्लाई तकनीकी रूप से संभव नहीं है, बशर्ते किसी अधिकृत संस्था द्वारा 'अनापत्ति प्रमाण पत्र' जारी किया गया हो।

पश्चिमी एशिया से आयात में आ रही बाधाओं के कारण एलपीजी आपूर्ति पर दबाव है। सरकार का लक्ष्य पाइपलाइन वाले क्षेत्रों के लोगों को पीएनजी पर शिफ्ट करना है, ताकि वहां की एलपीजी को उन ग्रामीण या दूरदराज के इलाकों में भेजा जा सके जहां पाइपलाइन का बुनियादी ढांचा नहीं है। भू-राजनीतिक स्थितियों के कारण एलपीजी आपूर्ति प्रभावित जरूर हुई है, लेकिन पीटीआई की रिपोर्ट के अनुसार डिलीवरी सामान्य है और कहीं से भी किसी कमी की सूचना नहीं है।

शाहीन अफरीदी ने तोड़ा सुरक्षा घेरा, लगा 10 लाख का फाइन

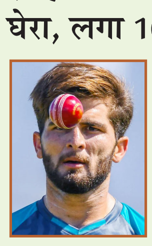

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान सुपर लीग यानी पीएसएल 2026 में एक के बाद एक कांड होते चले जा रहे हैं। पीएसएल की टीम लाहौर कलंदर्स के कप्तान शाहीन शाह अफरीदी पर अब मोटा फाइन लगाया गया है। इसके पीछे की वजह ये है कि शाहीन अफरीदी ने पीएसएल का सुरक्षा घेरा तोड़ा है। उन्होंने अपने खिलाड़ी सिकंदर रजा का साथ दिया, जिन्होंने अपने दोस्तों को होटल में बुलाया था। पीएसएल में खिलाड़ियों को अपने होटल में किसी भी बाहरी सदस्य को ले जाने पर मनाही है, लेकिन शाहीन अफरीदी की शह में सिकंदर रजा ने अपने दोस्तों को बुलाया था।

बांग्लादेश के हालात खराब

अंधेरे से बचाने के लिए भारत ने फिर भेजी संजीवनी!

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश इस समय गंभीर ऊर्जा संकट का सामना कर रहा है। मध्य पूर्व में चल रहे युद्ध के कारण यह संकट और गहरा गया है। स्थिति से निपटने के लिए एक तरफ बांग्लादेश भारत से पाइपलाइन के जरिए डीजल आयात कर रहा है, तो दूसरी तरफ देश में बिजली और ईंधन बचाने के लिए सख्त सरकारी आदेश जारी किए गए हैं।

बांग्लादेश को भारत की नुमालीगढ़ रिफाइनरी से 'भारत-बांग्लादेश मैत्री पाइपलाइन' के जरिए 7000 टन डीजल की एक नई खेप प्राप्त हो रही है। इस ईंधन की सप्लाई शनिवार शाम से शुरू हो गई है और मंगलवार तक इसके पूरी तरह से डिलीवर होने की उम्मीद है। इससे पहले 25 मार्च को 5,000 टन की खेप आई थी, जिसके बाद 15,000 टन डीजल पाइपलाइन के माध्यम से लाया जा चुका है।

खाड़ी देशों के आयात पर अत्यधिक निर्भर रहने वाले बांग्लादेश के ऊर्जा मंत्री इकबाल हसन महमूद टुकू ने सोमवार को संसद में स्पष्ट किया कि वर्तमान संकट में आपूर्ति की कमी से बड़ी समस्या ईंधन की 'जमाखोरी' है। बांग्लादेश पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन समुद्री मार्गों के साथ-साथ पाइपलाइन के जरिए होने वाले आयात को प्राथमिकता दे रहा है ताकि आपूर्ति को स्थिर रखा जा सके।

नीतीश ने जेडीयू का सीएम नहीं बनाया तो दुर्गति हो जाएगी; पप्पू यादव बोले- खंजर न मारे बीजेपी

पूर्णिया (एजेंसी)। बिहार सीएम नीतीश कुमार के विधान परिषद से इस्तीफे पर पूर्णिया के निर्दलीय सांसद सह कांग्रेस नेता राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव ने भारतीय जनता पार्टी(बीजेपी) पर तीखा वार किया है। कहा है कि नीतीश कुमार या तो बिहार नहीं छोड़ें या जदयू से किसी और को अपनी सीट के लिए नामित करके जाएं। ऐसा नहीं हुआ तो बीजेपी और जदयू दोनों की दुर्गति हो जाएगी। बिहार की जनता ने नीतीश कुमार के नाम पर वोट दिया है।

पप्पू यादव ने कहा है कि दिल्ली अभी दूर है, थोड़ा इंतजार कीजिए। बीजेपी के सारथी लोग इतना क्यों परेशान हैं? वोट नीतीश कुमार के नाम पर लिए हैं तो बीच में बिहार की जनता को खंजर क्यों भोंक रहे हैं। अभी विधान परिषद से इस्तीफा दिया है। आगे देखते रहिए। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार को जिस तरह से घेरा गया है वह गलत है। उन्हें बिहार नहीं छोड़ना चाहिए। बिहार की जनता चाहती है कि जिसे मत दिया वही मुख्यमंत्री रहे। जब जदयू के 43 सीट थे तब भी वे सीएम थे। जनता से नरेंद्र मोदी के नाम पर भी वोट नहीं ली गयी है। बिहार में नीतीश कुमार का नाम चलता है। पप्पू यादव ने कहा कि नीतीश कुमार का चरित्र और चिंतन गांधी जी और कर्पूरी ठाकुर से मिलती है। वे एक आदर्श नागरिक, आदर्श नेता और बेहतरीन इंसान हैं। बिहार छोड़ने से पहले उन्हें जनता दल यूनाइटेड से किसी को सीएम पद के लिए नामित कर देना चाहिए। उन्होंने नीतीश कुमार के इस्तीफे को राजनीति से प्रेरित बताया। कहा कि बीजेपी ने इसका प्लॉट तैयार किया है लेकिन भाजपा से किसी नेता को मुख्यमंत्री बनाया गया तो जनता दल यूनाइटेड और भाजपा दोनों की दुर्गति हो जाएगी।

पहले से सेट था, नीतीश कुमार के इस्तीफे पर तेजस्वी यादव बोले– बीजेपी ने जनता, नेता सबको ठगा

पटना (एजेंसी)।

जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं बिहार सरकार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के विधान परिषद की सदस्यता से इस्तीफे पर नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने भारतीय जनता पार्टी पर प्रहार किया है। कहा है कि भाजपा ने उन्हें ठगा है। अब वे सीएम भी नहीं रहेंगे। बीजेपी बिहार में महाराष्ट्रा मॉडल पर काम कर रही है। सबकुछ पहले से ही तय था।

30 मार्च को बिहार में सुपर सियासी मंडे के रूप में याद किया जाएगा। बीस सालों से बिहार की राजनीति की धूरी रहे नीतीश कुमार ने विधान परिषद की सदस्यता से त्यागपत्र दे दिया। वे राज्यसभा के लिए निर्वाचित हो चुके हैं। तीस मार्च को उन्हें विधान परिषद की सदस्यता से त्यागपत्र देना ही था। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने कहा कि हम लोगों ने पहले ही कह दिया था कि नीतीश कुमार ज्यादा दिनों तक बिहार के सीएम नहीं रहेंगे। भाजपा महाराष्ट्रा के पैटर्न पर इन्हें किनारे लगा देगी। भाजपा ने जनता को धोखा दिया, नीतीश कुमार जी को धोखा दिया। अभी विधानमंडल से बाहर आए हैं, जल्द ही मुख्यमंत्री भी नहीं रहेंगे।

मीडिया को दिए बयान में तेजस्वी यादव ने कहा कि हम तो शुरू से ही कहते आ रहे थे कि चुनाव के कुछ दिनों के बाद नीतीश कुमार बिहार के मुख्यमंत्री नहीं बने रहेंगे। उन्हें शुरू में बनाया जाएगा और कुछ दिनों के बाद वही होगा जो महाराष्ट्रा में हुआ। बीजेपी के लोग उन्हें हटा रहे हैं वे जा नहीं रहे। बीजेपी ने नीतीश कुमार और बिहार की जनता सबको धोखा दिया है। बीजेपी की कथनी और करनी में हमेशा से जमीन-आसमान का फर्क रहा है। यह बात बिहार की जनता को भी पहले से ही पता था कि क्या होने वाला है। राजद के राज्यसभा सांसद मनोज कुमार झा ने कहा है कि नीतीश कुमार को दिल्ली लाया जा रहा है, वे आ नहीं रहे हैं।

नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार के बारे में तेजस्वी यादव ने कहा कि कोई युवा राजनीति में आता है तो स्वागत है। लेकिन, समय बताएगा कि वे कितना काम कर पाते हैं और पार्टी को संभाल पाते हैं। तेजस्वी यादव ने निशांत कुमार को शुभकामनाएं दी। वहीं पूर्णिया सांसद पप्पू यादव ने कहा कि नीतीश कुमार को बिहार नहीं छोड़ना चाहिए। राज्य की जनता ने जिसके नाम पर वोट दिया है उसे ही सीएम के रूप में देखना चाहती है। अगर बीजेपी से मुख्यमंत्री बना तो जदयू का भारी नुकसान होगा। नीतीश कुमार अगर बिहार छोड़ते हैं तो उन्हें जदयू से सीएम नॉमिनेट कर देना चाहिए।

नीतीश के सीएम पद छोड़ने से बिहार की सियासत पर क्या असर; तेजस्वी के लिए भी कैसे सुनहरा अवसर?

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार के मुख्यमंत्री और जनता दल यूनाइडेट के अध्यक्ष नीतीश कुमार ने बिहार विधान परिषद की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया। बिहार सरकार के मंत्री विजय कुमार चौधरी और JDU के विधान परिषद सदस्य संजय कुमार ने नीतीश कुमार का इस्तीफा विधान परिषद के सभापति अवधेश नारायण सिंह को सौंपा। सभापति ने उनका इस्तीफा स्वीकार कर लिया है। इस माह की शुरुआत में नीतीश कुमार संसद के ऊपरी सदन राज्यसभा के लिए निर्वाचित हुए थे। इसके बाद से ही उनके इस्तीफे की अटकलें लग रही थीं। हालांकि, उन्होंने अभी तक राज्य के मुख्यमंत्री के पद से इस्तीफा नहीं सौंपा है लेकिन माना जा रहा है कि जल्द ही वह इस पद को भी छोड़ देंगे और दिल्ली के राजनीतिक केंद्र में बैठेंगे।

चर्चा इस बात की भी है कि नीतीश कुमार मुख्यमंत्री की कुर्सी छोड़कर अपने इकलौते बेटे निशांत को राज्य की सत्ता में बैठाकर जाएंगे। नीतीश के बाद राज्य की कमान किनके हाथ होगी, इस पर अभी मंथन और अटकलों का बाजार गर्म है। बहरहाल, नीतीश के इस कदम से राज्य की राजनीति एक लंबे अंतराल के बाद करवट लेती हुई नजर आ रही है। 2005 से लगातार (कुछ अंतराल को छोड़कर) नीतीश कुमार निर्बाध रूप से बिहार की राजनीति के केंद्र में रहे हैं। सियासत से लेकर सत्ता का केंद्र उनके ही ईर्द-गिर्द घूमता रहा है लेकिन दो दशक से ज्यादा समय बाद वह पहली बार इन सबसे दूर होंगे। ऐसे में आने वाले समय में राज्य की राजनीति पर गहरा असर पड़ सकता है और राज्य में कई किस्म के राजनीतिक बदलाव देखने को मिल सकते हैं।

बिहार भाजपा के भीष्म पितामह कहे जाने वाले कैलाशपति मिश्र ने कभी अपने दम पर बिहार में भगवा सरकार का सपना देखा था। बाद में सुशील कुमार मोदी ने भी इसी तरह के सपने बुने थे कि भाजपा अपने दम पर सरकार बनाए। बहरहाल, यह तो अभी तक संभव होता नहीं दिख रहा है लेकिन बिहार के बदलते राजनीतिक आयाम ने करीब-करीब यह संभव कर दिया है कि राज्य में भाजपा का कोई चेहरा मुख्यमंत्री बन सकता है। 2005 से, यानी जब से नीतीश कुमार की भाजपा के साथ गठबंधन सरकार रही है, तब से भाजपा छोटे भाई की भूमिका में ही रही है। चाहे विधानसभा में उसकी सीटें जेडीयू से भले ही ज्यादा रही हो लेकिन अब यह इतिहास की बात बनती दिख रही है।

अब नीतीश कुमार के राज्यसभा में जाने से भाजपा फ्रंट सीट पर बैठती दिख रही है। इससे आगे कहें तो ऐसा होता दिख रहा है कि अब भाजपा का ही कोई चेहरा राज्य की बागडोर संभालेगा। पिछले साल विधानसभा चुनावों में 89 सीट जीतने वाली भाजपा अब सत्ता पर धीरे-धीरे अपना प्रभुत्व और पकड़ मजबूत कर रही है।

इन सियासी बदलावों और संकेतों के बीच भाजपा और जेडीयू के घोर विरोधी और राज्य की प्रमुख विपक्षी पार्टी राजद और खासकर उसके सीएम फेस उम्मीदवार तेजस्वी यादव के लिए संभावनाओं के नए द्वार खुल सकता है। अब तक बिहार फिर से नीतीशे कुमार के द्वंद्व में फंसा था लेकिन अब राज्य उससे बाहर निकलता जा रहा है। ऐसे में माना जा रहा है कि यह तेजस्वी यादव के लिए भी एक सुनहरा अवसर है कि वह यादव और मुसलमानों के अलावा ईबीसी, अन्य ओबीसी जातियों, कोइरी-कुशवाहा और दलित जातियों को कैसे अपने पिता की तरह अपने पाले में ला सकते हैं। साफ है कि वह अपने पक्ष में जितनी ज्यादा जातीय गोलबंदी करेंगे उनके मुख्यमंत्री बनने की संभावना उतनी ही प्रगाढ़ होगी।

कमजोर हो सकती है जेडीयू

यानी एक तरह से देखें तो नीतीश के बिहार छोड़ने से उनकी पार्टी जेडीयू कमजोर होती दिख रही है। भले ही नीतीश अपने बेटे की ताजपोशी करा रहे हों लेकिन उनके अलावा कोई और बड़ा चेहरा उनकी पार्टी में फ्रंटलाइन में नहीं दिखता है। ललन सिंह हों या विजय चौधरी, संजय झा या अशोक चौधरी हों, सभी दूसरी पंक्ति के नेता हैं। एक बात यह भी सच है कि बिहार की सियासत में दूसरी पंक्ति के नेता ज्यादा सफल नहीं हुए हैं। ऐसे में आने वाले दिनों में नीतीश की सक्रियता की कमी जेडीयू को अवसान की तरफ धकेल सकती है।

राजनीतिक त्रिकोण से बाहर निकलती राजनीति

कुल मिलाकर देखें तो राज्य की राजनीति में जो सबसे बड़ा बदलाव होता दिख रहा है, उनमें द्विध्रुवीय राजनीति है। यानी एक तरफ भाजपा तो दूसरी तरफ राजद होगी। अब आगे के चुनावों में इन्हीं दोनों पार्टियों के बीच मुख्य मुकाबला देखने को मिल सकता है, जबकि इससे पहले तक राज्य की राजनीति त्रिकोणात्मक थी और उसमें नीतीश की अगुवाई वाली जेडीयू प्रमुख खिलाड़ी थी। उसके बिना सत्ता की कल्पना बेमानी थी। संभव है कि यह संकल्पना और कल्पना अब इतिहास की बात हो जाए।

ओबीसी-ईबीसी का नए तरह से ध्रुवीकरण

नीतीश कुमार के बिहार के सत्ता से हटने का एक बड़ा और दूरगामी असर यह हो सकता है कि उनका कोर वोटर खासकर अति पिछड़ा वर्ग और अन्य पिछड़ा वर्ग का सियासी ध्रुवीकरण नए सिरे से हो सकता है। चूंकि राज्य की जनसंख्या में ईबीसी की हिस्सेदारी करीब 36 फीसदी है, जो एकमुश्त बड़ा वर्ग है और नीतीश का कोर वोटर रहा है। उसके अंदर विभाजन हो सकता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई में अन्य राज्यों में ईबीसी जातियां भाजपा के प्रभाव में लामबंद हुई हैं लेकिन बिहार में अब तक यह समुदाय नीतीश कुमार का कोर वोटर रहा है। इनके अलावा माइनस यादव ओबीसी जातियां, महिलाएं और महादलित वर्ग भी नीतीश का समर्थक रहा है। ऐसी संभावना है कि यह वर्ग नीतीश की गैरमौजूदगी में बंट सकता है और एक बड़ा हिस्सा फिर से राजद के पाले में जा सकता है, जबकि कुछ भाजपा की तरफ भी जा सकता है।

वायु प्रदूषण फैलाया तो होगी कड़ी कार्रवाई, 3 माह गाड़ी चलाने पर रोक; डीएल होगा सस्पेंड

मुजफ्फरपुर (संवाददाता)।

बिहार में सड़क सुरक्षा से जुड़े नियमों के पालन में और सख्ती की तैयारी है। आने वाले समय में सड़क सुरक्षा नियमों में छोटी सी चूक पर भी ड्राइविंग लाइसेंस तीन माह के लिए निलंबित हो सकता है। यानी तीन महीने तक संबंधित चालक वाहन नहीं चला सकेगा। अभी वायु प्रदूषण से जुड़े नियमों के उल्लंघन पर या प्रदूषण सर्टिफिकेट नहीं रहने पर 10 हजार रुपये तक के जुर्माने का प्रावधान है। लेकिन, अगले वितीय वर्ष से वायु प्रदूषण पर जुर्माने के साथ ड्राविंग लाइसेंस भी निलंबित किया जा सकता है।

यातायात पुलिस और परिवहन विभाग के अधिकारियों का कहना है कि वायु प्रदूषण पर तीन माह के लिए लाइसेंस निलंबन का नियम देशभर में लागू हो सकेगा, क्योंकि इसे केंद्र ला रहा है। प्रावधान को जन विश्वास (संशोधन) बिल 2026 में लाने की तैयारी है। जन विश्वास बिल में मोटर वाहन कानून के कई प्रावधानों में भी संशोधन किया जा रहा है। इसके तहत कई मामलों में सजा का प्रावधान तो कई छोटी चूक पर सिर्फ जुर्माना वसूली का नियम तैयार किया जा रहा है। ट्रैफिक पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि इसकी रूपरेख तय हो चुकी है। जल्द ही इसे सार्वजनिक किया जाएगा।

बीते सप्ताह सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय की ओर से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग कर सूबे के ट्रैफिक और परिवहन विभाग के अधिकारियों के बीच इसकी रूपरेखा की जानकारी दी गई थी। हालांकि, अधिकारियों को यह नहीं बताया गया है कि यह नये वितीय वर्ष में कब से लागू होगा। अब इसके नये वित्तीय वर्ष की पहले तिमाही के दौरान ही लागू करने की संभावना जताई जा रही है।

वैधता अवधि के एक माह बाद तक मान्य होगा डीएल

वीसी में बताया गया कि जन विश्वास (संशोधन) बिल 2026 में ड्राइविंग लाइसेंस की वैद्यता को लेकर भी संशोधन किया जा रहा है। इसमें डीएल की वैद्यता समाप्त होने के 30 दिनों तक उक्त डीएल को वैध माना जाएगा। इसके साथ ही संबंधित व्यक्ति एक माह पूर्व अपने डीएल को रिन्यू करा लेता है तो भी उसका लाइसेंस वैद्यता समाप्त होने की तिथि से ही रिन्यू माना जाएगा। इसके अतिरिक्त देशभर में कहीं से भी कोई भारतीय नागरिक लाइसेंस बनवा सकेगा।

लड़के ने पिस्टल खींचा और लड़की को गोली मार दी; मुजफ्फरपुर में प्रेम प्रसंग में खूनी खेल से सनसनी

मुजफ्फरपुर (संवाददाता)। बिहार के मुजफ्फरपुर में एक युवती को गोली मारकर मौत के घाट उतार दिया गया। बताया जा रहा है कि प्रेमी युवक ने ही उसे गोली मारी। घटना से पहले दोनों आपस में काफी देर बातें करते देखे गए थे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए एसकेएमसीएच भेज दिया। फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची और कई नमूने जमा किए। सिटी एसपी मोहिबुल्ला अंसारी ने कांड की पुष्टि की है।

सोमवार की शाम सदर थाना के भगवानपुर सब्जी मंडी हुनमान मंदिर के निकट एक युवक ने बीबीगंज मोहल्ले की 22 वर्षीय युवती की गोली मारकर हत्या कर दी। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि एक युवक करीब आधे घंटे से युवती के साथ बैठकर बातें कर रहा था। इस दौरान दोनों बकझक हुई तो युवक ने पिस्टल निकालकर उसके सिर में गोली मार दी। गोली की आवाज पर सब्जी मंडी और हनुमान मंदिर के आसपास अफरातफरी मच गई। भीड़ का फायदा उठाकर गोली मारने वाला युवक भी फरार हो गया।

युवती की हत्या में पुलिस ने प्रेम प्रसंग में विवाद की आशंका जताई है। प्रत्यक्षदिर्शियों ने पुलिस को बताया है कि युवक व युवती भगवानपुर की ओर से पैदल ही बातें करते हुए आए। मृतका को आधा घंटा पहले किसी दूसरी युवती के साथ भी देखा गया था। इसके बाद युवक के साथ बातें करते हुए गुमटी की ओर गई। मृतका कुर्ती और पाजामा पहने हुए है। हाथ में लाल रंग का रक्षासूत्र भी बंधा है। पांव में सैंडल है। शव के पास में ही एक जोड़ा हवाई चप्पल भी है। आशंका है कि हत्यारे युवक की वह चप्पल है। बताया जाता है कि गोली मारने के बाद वह रेलवे लाइन पार करके माड़ीपुर की ओर भागा निकला। पुलिस आसपास के इलाके में घेराबंदी कर छानबीन कर रही है। घटनास्थल पर पहुंची एसडीपीओ टाउन-2 विनिता सिन्हा के नेतृत्व में जांच चल रही है।

शरजील इमाम तिहाड़ जेल रवाना, बिहार में भाई की शादी के लिए कोर्ट से पैरोल मिला था

पटना (संवाददाता)। दिल्ली दंगा में आरोपी छात्र नेता शरजील इमाम सोमवार को अपनी अंतरिम जमानत की अवधि समाप्त होने पर आत्मसमर्पण करने के लिए सोमवार की अहले सुबह दिल्ली के लिए रवाना हो गए। पैतृक गांव काको से उनकी विदाई का दृश्य अत्यंत भावुक रहा। परिजनों और ग्रामीणों ने भावुक होकर विदायी दी। नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) के विरुद्ध आंदोलन के दौरान चर्चित चेहरा रहे।

उल्लेखनीय है कि शरजील इमाम को उनके छोटे भाई की शादी में शामिल होने के लिए न्यायालय द्वारा 20 मार्च से 30 मार्च तक दस दिनों की अंतरिम जमानत प्रदान की गई थी। इस अवधि में उनके घर में खुशी और उत्सव का माहौल बना रहा, लेकिन जमानत अवधि के समापन के साथ ही वहीं घर और गांव एकाएक गमगीन हो उठा। सोमवार की सुबह जब शरजील इमाम दिल्ली के लिए रवाना होने लगे, तो यह क्षण परिवार के लिए बेहद भारी था। मां अपने बेटे को विदा करते हुए भावुक हो उठीं, उनकी आंखों से आंसू थमने का नाम नहीं ले रहे थे।

छोटे भाई मुज़म्मिल इमाम, जिनकी शादी के सिलसिले में शरजील को जमानत मिली थी, खुद को संभाल नहीं पा रहे थे। उनकी जुबान खामोश थी, लेकिन आंखें बहुत कुछ कह रही थीं। मुज़म्मिल इमाम ने भर्राए गले से कहा भैया का घर आना हमारे लिए किसी नेमत से कम नहीं था। शादी की खुशी उनके बिना अधूरी रहती। लेकिन अब उनका इस तरह जाना दिल को बहुत तकलीफ दे रहा है। हमें पूरा भरोसा है कि सच सामने आएगा और वे जल्द हमारे बीच होंगे।

वहीं चाचा अरशद इमाम ने कहा शरजील शुरू से ही मेधावी छात्र रहा है और समाज के मुद्दों को लेकर सजग रहा है। हमें न्यायपालिका पर पूरा विश्वास है। हम उम्मीद करते हैं कि सच्चाई सामने आएगी और उसे न्याय मिलेगा। शरजील इमाम का परिवार सामाजिक और राजनीतिक रूप से भी एक प्रतिष्ठित पृष्ठभूमि रखता है। उनके पिता स्वर्गीय अकबर इमाम जनता दल (यू) के वरिष्ठ नेता रहे हैं, जिनकी क्षेत्र में एक सशक्त पहचान रही है। ऐसे में शरजील की मौजूदगी हमेशा चर्चा का विषय रहा है। गांव काको के लोग भी बड़ी संख्या में उन्हें विदा करने के लिए जुटे थे। किसी की आंखें नम थीं, तो कोई खामोशी के साथ अपने जज्बातों को दबाने की कोशिश कर रहा था। हर शख्स की जुबान पर एक ही दुआ थी कि शरजील इमाम जल्द रिहा होकर अपने घर लौटें और परिवार की खुशियां फिर से बहाल हों। कुछ दिन पहले तक जिस काको में शादी की खुशियों की गूंज सुनाई दे रही थी, आज वही गांव एक गहरे सन्नाटे में डूबा नजर आया। माहौल ऐसा था मानो खुशियों पर अचानक विराम लग गया हो। शरजील इमाम के दिल्ली के लिए प्रस्थान के साथ ही अब परिजनों और ग्रामीणों की निगाहें न्यायिक प्रक्रिया पर टिकी हैं। सभी को उम्मीद है कि आने वाले समय में न्याय होगा और वे पुनः अपने घर-परिवार के बीच लौटेंगे।

दरभंगा से बेंगलुरु की सीधी फ्लाइट की बुकिंग शुरू, टाइमिंग जान लें; कब से शुरू होगी सेवा?

दरभंगा (संवाददाता)। बिहार के दरभंगा से लंबे इंतजार के बाद बेंगलुरु के लिए आगामी पांच अप्रैल से सीधी उड़ान सेवा उपलब्ध हो जाएगी। विभिन्न साइट्स पर टिकट की बुकिंग शुरू हो गई है। अकासा एयर की ओर से दोनों शहरों के बीच सीधी उड़ान की घोषणा से दरभंगा ही नहीं, कई जिलों के लोगों ने राहत की सांस ली है। लंबे समय से सीधी उड़ान की सुविधा ठप रहने से लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था।

अकासा एयर की सीधी उड़ान सप्ताह में सातों दिन उपलब्ध रहेगी। बेंगलुरु से सुबह 9.40 बजे उड़ान भरकर फ्लाइट दोपहर 12.15 बजे दरभंगा एयरपोर्ट पर पहुंचेगी। यहां से 12.50 बजे टेक ऑफ कर फ्लाइट 3.30 बजे बेंगलुरु एयरपोर्ट पर लैंड करेगी। बता दें कि पूर्व में स्पाइसजेट की ओर से दरभंगा और बेंगलुरु के बीच सीधी उड़ान थी। हालांकि, थोड़े-थोड़े अंतराल पर सेवा के ठप होने से यात्रियों के बीच संशय की स्थिति बनी रहती थी। पिछले कई महीनों से दोनों शहरों के बीच विमान सेवा ठप थी।

बेंगलुरु में दरभंगा और आसपास के जिलों के लोग बड़ी संख्या में काम करते हैं। वहां के संस्थानों में काफी संख्या में छात्र शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। बड़ी संख्या में उत्तर बिहार के युवा बेंगलुरु में काम भी करते हैं। सीधी उड़ान सेवा शुरू होने से उनके लिए आवागमन काफी सुगम हो जाएगा। इस संबंध में स्थानीय सांसद सह दरभंगा एयरपोर्ट सलाहकार समिति के अध्यक्ष डॉ. गोपाल जी ठाकुर ने कहा कि आगामी पांच अप्रैल से अकासा की दरभंगा-बेंगलुरु रूट पर सीधी हवाई सेवा शुरू होने से यात्रियों को काफी सुविधा होगी। उन्होंने कहा कि दरभंगा से देश के अन्य महत्वपूर्ण शहरों के लिए भी सीधी हवाई सेवा शुरू किए जाने की दिशा में आवश्यक पहल की जा रही है। नरेंद्र मोदी की सरकार बिहार वासियों की सुख सुविधाओं के लिए समर्पण भाव से काम करती है।

मुंबई व नई दिल्ली की फ्लाइट रही रद्द

नई दिल्ली-दरभंगा और मुंबई-दरभंगा के बीच सोमवार को स्पाइसजेट की फ्लाइट रद्द रहने से यात्रियों के बीच अफरातफरी मच गई। बड़ी संख्या में यात्री कई जिलों से दरभंगा एयरपोर्ट पहुंचे थे। फ्लाइट रद्द होने की सूचना मिलने पर यात्रियों ने विमानन कंपनी के प्रतिनिधियों पर जमकर अपना गुस्सा उतारा। मुंबई से उड़ान भरकर सुबह 11.05 बजे दरभंगा पहुंचने वाली फ्लाइट के नहीं पहुंचने की वजह से इधर से भी मुंबई की फ्लाइट रद्द रही। वहीं, नई दिल्ली से दोपहर 3.20 बजे आने वाली फ्लाइट भी रद्द रही। दरभंगा से नई दिल्ली के बीच यात्रियों को काफी परेशानी उठानी पड़ी।

राबड़ी आवास पर लगे ठुमके, पुराने रंग में दिखे लालू यादव; तेजस्वी ने भी देखा लौंडा नाच

पटना (संवाददाता)। होली बीत गई और चैत महीने में चैतावर चैत माह में आयोजित होने वाला सांस्कृतिक कार्यक्रम) का समय चल रहा है। एक जमाना था जब बिहार के सीएम रहे लालू प्रसाद यादव के आवास पर चैता और उसके साथ लौंडा नाच का आयोजन किया जाता था। ठेठ गंवई अंदाज में लालू प्रसाद अपने समर्थकों के साथ बिहार की लोक संस्कृति लौंडा डांस का खुलकर आनंद लेते थे। काफी समय बार एक बार फिर राबड़ी आवास पर चैता और नाच का आयोजन किया गया जिसमें लालू यादव के साथ नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव भी शरीक हुए। राजद के बिहार प्रदेश अध्यक्ष मंगनी लाल मंडल समेत बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता और नेता मौजूद थे।

रविवार की रात पूर्व सीएम राबड़ी देवी का आवास बिहार के पारंपरिक नृत्य लौंडा डांस से गुलजार हुआ। हम बिहार के बैनर तले चैता कार्यक्रम काआयोजन किया गया। लालू यादव और तेजस्वी यादव देर तक इस कार्यक्रम में मौजूद रहे। स्थानीय कलाकारों ने बिहार की मिट्टी की सुगंध से लबरेज एक से एक चैता के गाने सुनाए। स्थानीय वाद्ययंत्रों ढोलक, झाल, करताल, हारमोनियम की धुन और लोक संगीत की तान पर कई कलाकार ने नृत्य का ऐसा समा बांधा कि वहां मौजूद लोग झूम उठे। अगली कतार में शादी अंदाज में बैठे लालू यादव भी काफी खुश दिखे।

चैत्र मास में आयोजित होने वाले पारंपरिक लोक संस्कृति एवं लोक संगीत के कार्यक्रम चैता का आज आवास पर श्रद्धा और धूमधाम से आयोजन किया गया। तेजस्वी यादव ने सोशल मीडिया पर इसका वीडियो भी पोस्ट किया।

तोहरा जइसन केहू नईखे...

नीतीश के इस्तीफे पर जीतनराम मांझी का भोजपुरी अंदाज सामने आया

पटना (संवाददाता)। केंद्रीय मंत्री जीतनराम मांझी ने नीतीश कुमार की जमकर तारीफ की है। बिहार सीएम के इस्तीफे पर उन्होंने भोजपुरी में प्रतिक्रिया दी है। नीतीश कुमार को नए बिहार का सृजनकर्ता बताते हुए कहा कहा है कि राज्य आगे भी उन्हीं के मार्गदर्शन में आगे बढ़ेगा। जीतनराम मांझी पहले भी नीतीश कुमार की तारीफ में कशीद गढ़ चुके हैं। हालांकि, समय समय पर वे नीतीश कुमार की शराबबंदी नीति की आलोचना भी करते रहते हैं।

नीतीश कुमार ने सोमवार को विधान परिषद की सीट से इस्तीफा दे दिया। 20 सालों से एमएलसी रहे नीतीश कुमार ने मात्र 8 लाइन में त्याग पत्र दे दिया। उनके इस्तीफे पर प्रतिक्रियाओं का दौर जारी है। केंद्रीय मंत्री सह हिन्दुस्तानी आवाम मोर्चा(हम) के संरक्षक जीतनराम मांझी ने नीतीश कुमार को महान नेता बताया है। उनके इस्तीफे की तस्वीर शेयर करते हुए मांझी ने सोशल मीडिया पर भोजपुरी के एक गाने के माध्यम से अपनी भावना का इजहार किया है। उन्होंने लिखा है, 'तहरा जईसन केहू नईखें,तू बे-जोड़ बाड़ा हो...आपके मार्गदर्शन से ही बिहार चलेगा नीतीश जी। आप इस नए बिहार के सृजनकर्ता हैं।' उधर हम (सेकुलर) के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह

बिहार सरकार के लघु सिंचाई मंत्री संतोष कुमार सुमन(जीतनराम मांझी के पुत्र) ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की स्थिति पर प्रतिक्रिया दी है। सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट कर उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जी के विधान परिषद सदस्य पद से इस्तीफे के इस भावनात्मक क्षण पर मन अत्यंत भावुक है। मुझे उनका सदन में सदस्य के रूप में साथ रहने का सौभाग्य प्राप्त हुआ, वहीं मंत्रिमंडल में उनके मार्गदर्शन और आशीर्वाद का भी सदा लाभ मिला। उनका सान्निध्य और अभिभावकत्व मेरे जैसे अनेक जनप्रतिनिधियों के लिए प्रेरणा का स्रोत रहा है। उन्होंने कहा कि नीतीश जी का सरल व्यक्तित्व, दूरदर्शी सोच और जनहित के प्रति समर्पण सदैव हम सबको मार्ग दिखाता रहेगा। यह एक पद का परिवर्तन मात्र है, लेकिन उनका नेतृत्व और मार्गदर्शन हमेशा हमारे साथ रहेगा। उनके प्रति हृदय से आदर, सम्मान और शुभकामनाएं.. इससे पहले नीतीश के इस्तीफे पर मंत्री अशोक चौधरी और विजय चौधरी भावुक हो गए। अशोक चौधरी तो रोने लगे। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार के बिना सदन अच्छा नहीं लगेगा। देश में नीतीश कुमार जैसा कोई दूसरा नेता नहीं होगा। उनमें एक अभिभावक, एक प्रशासक, राजनेता, एक पार्लियामेंटेरियन के सारे आदर्श गुण मौजूद हैं। 12 सालों में उनसे बहुत कुछ सीखने को मिला।

माँ कर्मा के आदर्श हमें एकजुट, संगठित और सशक्त बनने की प्रेरणा देते हैं : मुख्यमंत्री

रायपुर।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय सूरजपुर में आयोजित प्रदेश स्तरीय भक्त माता कर्मा जयंती महोत्सव 2026 में शामिल हुए और भक्त माता कर्मा की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर नमन किया और प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की।

कार्यक्रम से पूर्व मुख्यमंत्री श्री साय ने सूरजपुर रिंग रोड स्थित भक्त माता कर्मा चौक पहुँचकर विधिवत पूजा-अर्चना की और माँ कर्मा की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। उन्होंने कहा कि माँ कर्मा का जीवन त्याग, सेवा और समर्पण का प्रेरक उदाहरण है, जो समाज को एकजुटता और सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ने का संदेश देता है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने अपने संबोधन में साहू समाज को एक गौरवशाली, संस्कारित और विकासोन्मुख समाज बताते हुए कहा कि भक्त माता कर्मा, माता राजिम दाई और दानवीर भामाशाह जैसी महान विभूतियाँ इसी समाज की अमूल्य धरोहर हैं। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ के विकास में साहू समाज की हमेशा महत्वपूर्ण भूमिका रही है और आगे भी यह समाज प्रदेश को नई ऊँचाइयों तक ले जाने में सहभागी बनेगा। मुख्यमंत्री श्री साय ने नक्सलवाद के मुद्दे पर अपनी सरकार की प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा कि बस्तर क्षेत्र, जो लंबे समय तक नक्सल हिंसा से प्रभावित रहा, अब विकास की मुख्यधारा से तेजी से जुड़ रहा है। उन्होंने कहा कि सड़कों, बिजली, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार के साथ 400 से अधिक गांवों को मुख्यधारा में लाया गया है और आने वाले समय में बस्तर विकास की नई ऊँचाइयों को छुएगा। मुख्यमंत्री श्री साय ने वैश्विक परिस्थितियों का उल्लेख करते हुए कहा कि पश्चिम एशिया में चल रहे युद्ध और ऊर्जा संकट के बावजूद भारत प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बेहतर स्थिति में है। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों से अपील की कि वे किसी भी प्रकार की अफवाहों से बचें और प्रशासन पर भरोसा बनाए रखें। मुख्यमंत्री श्री साय ने अपनी सरकार की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की गारंटी को छत्तीसगढ़ में प्राथमिकता के साथ पूरा किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि होली से पहले 25 लाख से अधिक किसानों को 10 हजार करोड़ रुपये से अधिक की अंतर राशि का भुगतान किया गया है, वहीं महतारी वंदन योजना के अंतर्गत लगभग 70 लाख महिलाओं को 16 हजार करोड़ रुपये से अधिक की राशि प्रदान की जा चुकी है। उन्होंने कहा कि भूमिहीन कृषि मजदूरों को भी 10-10 हजार रुपये की आर्थिक सहायता दी गई है, जिससे उनकी आजीविका को मजबूती मिली है। इसके साथ ही श्री रामलला दर्शन योजना और मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना के माध्यम से हजारों श्रद्धालुओं को तीर्थ दर्शन का अवसर प्रदान किया जा रहा है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय ने साहू समाज के लिए सामाजिक भवन निर्माण हेतु 50 लाख रुपये तथा बाउंड्री वॉल निर्माण के लिए 25 लाख रुपये की घोषणा की। उन्होंने कहा कि यह सहयोग समाज के संगठनात्मक सशक्तिकरण और भविष्य निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। कार्यक्रम में केंद्रीय राज्य मंत्री श्री तोखन साहू ने अपने संबोधन में कहा कि साहू समाज का इतिहास गौरवशाली रहा है और समाज ने अपने परिश्रम एवं समर्पण से देश और प्रदेश को गौरवान्वित किया है। उन्होंने समाज के विकास के लिए शिक्षा, संगठन और सामाजिक अनुशासन को आवश्यक बताते हुए कहा कि इन्हीं मूल्यों के आधार पर एक सशक्त और आत्मनिर्भर समाज का निर्माण संभव है। इस अवसर पर पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल, महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े, स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

लोकतंत्र के चौथे स्तम्भ को और अधिक सुदृढ़ विश्वसनीय और जनोन्मुखी बनाएं : राज्यपाल

छत्तीसगढ़ जर्नलिस्ट यूनियन प्रादेशिक पत्रकार सम्मेलन और सम्मान समारोह में शामिल हुए राज्यपाल

रायपुर।

राज्यपाल श्री रमेन डेका ने कहा कि लोकतंत्र में व्यवस्थापिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका के बाद पत्रकारिता को चतुर्थ स्तंभ माना गया है। उन्होंने कहा कि पत्रकारिता केवल एक व्यवसाय नहीं, बल्कि एक मिशन और साधना है। समाज का दर्पण कहलाने वाली पत्रकारिता ने सदैव जनता और सत्ता के बीच संपर्क-सेतु की भूमिका निभाई है और लोगों को जागरूक किया है। इसलिए इसे लोकतंत्र का चौथा स्तंभ कहा जाता है।

राज्यपाल श्री डेका आज भिलाई सेक्टर 4 स्थित एस.एन.जी. ऑडिटोरियम में आयोजित छत्तीसगढ़ जर्नलिस्ट यूनियन के प्रादेशिक पत्रकार सम्मेलन और सम्मान समारोह को मुख्य अतिथि की आंसदी से सम्बोधित कर रहे थे। इससे पूर्व उन्होंने उत्कृष्ट कार्य करने वाले पत्रकारों को सम्मानित किया। राज्यपाल श्री डेका ने इस अवसर पर महिला पत्रकारों को उनकी उत्कृष्ट लेखनी के लिए सम्मानित किया, जिसमें शगुफ्ता शीरीन, अनुभूति भाखरे, कोमल धनेसर, साक्षी सोनी शामिल है। इसी प्रकार समाज सेवी महिलाओं साधना चतुर्वेदी, अंजना श्रीवास्तव, लता बौद्ध, दीप्ति सिंग, सुनीता जैन को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। राज्यपाल श्री डेका ने वर्तमान चुनौतियों का जिक्र करते हुए अवगत कराया कि आज पत्रकारिता एक कठिन दौर से गुजर रही है। सोशल मीडिया के विस्फोट ने सूचना के प्रवाह को लोकतांत्रिक तो बनाया है, लेकिन साथ ही विश्वास का गंभीर संकट भी खड़ा किया है। फेसबुक, व्हाट्सएप और यूट्यूब जैसे प्लेटफॉर्म्स पर हर व्यक्ति 'पत्रकार' बन चुका है और सत्यापन से पहले ही समाचार

वायरल हो जाते हैं। उन्होंने चिंता जताते हुए कहा कि 'फेक न्यूज' और 'डीपफेक' ने सच और झूठ के बीच की रेखा धुंधली कर दी है। इन सबके बीच आज भी प्रिंट मीडिया ने अपनी विश्वसनीयता को कायम रखा है। राज्यपाल श्री डेका ने कहा कि इन चुनौतियों का सामना करने के लिए पत्रकारिता को अपने मूल आदर्शों की ओर लौटना होगा। एक स्वस्थ पत्रकारिता ही एक स्वस्थ लोकतंत्र की नींव है। उन्होंने इस चौथे स्तंभ को और अधिक सुदृढ़, विश्वसनीय और जनोन्मुखी बनाने का आह्वान किया। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ जर्नलिस्ट यूनियन के प्रदेशाध्यक्ष श्री ईश्वर दुबे, सचिव श्री सतीश बौद्ध एवं अन्य पदाधिकारी और श्री राजाराम त्रिपाठी, प्रो. संजय त्रिवेदी, वरिष्ठ पत्रकार श्री गिरीश पंकज सहित बड़ी संख्या में छत्तीसगढ़ जर्नलिस्ट यूनियन के पत्रकार उपस्थित थे।

खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स 2026: वेटलिफ्टिंग स्पर्धा में अरुणाचल पुरुष और असम महिला वर्ग में ओवरऑल चैम्पियन

छत्तीसगढ़ के खिलाड़ियों ने भी लहराया परचम, रिशिका कश्यप ने रजत और लकी बाबू मरकाम ने जीता कांस्य

रायपुर।

इंडिया ट्राइबल गेम्स 2026 के अंतर्गत वेटलिफ्टिंग प्रतियोगिता समापन के साथ ही चैम्पियनशिप टीम के परिणाम भी घोषित किए गए, जिसमें पुरुष वर्ग में अरुणाचल प्रदेश ने ओवरऑल चैम्पियन बनने का गौरव हासिल किया। वहीं मिजोरम फर्स्ट रनरअप और असम सेकंड रनरअप रहा। महिला वर्ग में असम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ओवरऑल चैम्पियन का खिताब अपने नाम किया, जबकि ओडिशा फर्स्ट रनरअप और छत्तीसगढ़ सेकंड रनरअप रहा।

छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर स्थित पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय में आयोजित खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स 2026 के अंतर्गत वेटलिफ्टिंग प्रतियोगिताओं का आज शानदार समापन हो गया। पूरे आयोजन के दौरान देशभर से आए खिलाड़ियों ने ताकत, तकनीक और आत्मविश्वास का बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए दर्शकों को रोमांचित किया। समापन समारोह के अवसर पर छत्तीसगढ़ के वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री केदार कश्यप और रायपुर महापौर श्रीमती मीनल चौबे विशेष रूप से उपस्थित रहीं। उन्होंने खिलाड़ियों से मुलाकात कर उनका उत्साहवर्धन किया तथा विजेताओं को मेडल पहनाकर सम्मानित किया। इस दौरान उन्होंने खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना भी की।

प्रतियोगिता के प्रमुख मुकाबलों की बात करें तो पुरुष 110 किलोग्राम भार वर्ग में अरुणाचल प्रदेश के साम्बो लापुंग ने 299 किलोग्राम वजन उठाकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। मिजोरम के डेविड लालजाव्मडिका ने 270 किलोग्राम के साथ रजत और छत्तीसगढ़ के लकी बाबू मरकाम ने 261 किलोग्राम वजन उठाकर कांस्य पदक जीता। लकी बाबू का यह प्रदर्शन घरेलू दर्शकों के लिए गर्व का क्षण रहा। वहीं पुरुष 110. किलोग्राम वर्ग में मिजोरम के डेविड जोह्मिंगमाविया ने 290 किलोग्राम के साथ स्वर्ण पदक जीता। आंध्र प्रदेश के गुगुलोथु राजा शेखर (255 किग्रा) को रजत और असम के मनाश प्रतिम सोनवाल (223 किग्रा) वजन उठाकर कांस्य पदक जीता। इस वर्ग में खिलाड़ियों के बीच जबरदस्त प्रतिस्पर्धा देखने को मिली।

महिला वर्ग में भी मुकाबले बेहद रोमांचक रहे। 86 किलोग्राम वर्ग में महाराष्ट्र की साक्षी बंडु बुरकुले ने 150 किलोग्राम वजन उठाकर स्वर्ण पदक हासिल किया। छत्तीसगढ़ की रिशिका कश्यप ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 121 किलोग्राम वजन उठाकर रजत पदक जीता और अपने मेडल का श्रेय अपने कोच को दिया। वहीं असम की बिटुपुना देओरी ने कांस्य पदक अपने नाम किया। एक अन्य महिला वर्ग के 86 किग्रा से अधिक के वर्ग में मिजोरम की जोसांगजुआली ने 140 किलोग्राम के साथ स्वर्ण पदक जीता, जबकि असम की पिंकी बोरो और मध्यप्रदेश की गुंजन उइके ने क्रमश: रजत और कांस्य पदक हासिल किया। छत्तीसगढ़ के खिलाड़ियों ने भी इस प्रतियोगिता में दमदार उपस्थिति दर्ज कराई। लकी बाबू मरकाम ने अपने प्रदर्शन के बाद कहा कि ट्राइबल गेम्स 2026 का आयोजन छत्तीसगढ़ में होना प्रदेश के ग्रामीण और आदिवासी युवाओं के लिए बड़ा अवसर है। इससे उन्हें बड़े मंच को देखने और आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलेगी। पूरे आयोजन के दौरान तकनीकी व्यवस्थाएं सुव्यवस्थित रहीं और प्रतियोगिताएं पारदर्शी तरीके से संपन्न हुईं। दर्शकों का उत्साह भी खिलाड़ियों के प्रदर्शन में ऊर्जा भरता रहा। खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स 2026 की वेटलिफ्टिंग स्पर्धाओं ने यह साबित कर दिया कि देश के जनजातीय अंचलों में अपार खेल प्रतिभाएं मौजूद हैं, जिन्हें सही मंच और अवसर मिलने पर वे राष्ट्रीय स्तर पर अपनी अलग पहचान बनाने में सक्षम हैं।

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने 8.10 करोड़ की सिंचाई परियोजना नहर लाइनिंग कार्य का किया शुभारंभ

किसानों के लिए बड़ी सौगात, राम्हेपुर नहर लाइनिंग से 1540 एकड़ में पहुंचेगा पानी, नहरों का होगा कायाकल्प, 6 गांवों के किसानों को मिलेगा सिंचाई लाभ

रायपुर।

कबीरधाम जिले के बोड़ला क्षेत्र के किसानों को सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी उपलब्ध कराने की दिशा में लंबे समय से चली आ रही बहुप्रतीक्षित मांग को पूरा करते हुए उप मुख्यमंत्री और कवर्धा विधायक श्री विजय शर्मा ने ग्राम सारंगपुर पहुंचकर 8.10 करोड़ रुपए की लागत से बोड़ला विकासखंड अंतर्गत छीरपानी जलाशय से जुड़ी राम्हेपुर वितरक नहर एवं उससे संबद्ध माइनर नहरों के सी.सी. लाइनिंग कार्य का विधिवत भूमिपूजन किया। यह महत्वाकांक्षी परियोजना क्षेत्र के किसानों के लिए वरदान साबित होगी। कार्य पूर्ण होने पर कुल 1540 एकड़ क्षेत्र में सुचारू सिंचाई सुविधा उपलब्ध हो सकेगी तथा 6 गांवों के 800 से अधिक किसानों को सीधा लाभ मिलेगा। नहरों के सुदृढ़ीकरण से जल का अपव्यय रुकेगा, अंतिम छोर तक पानी पहुंचेगा और खेती-किसानी को नई मजबूती मिलेगी। इस दौरान उप मुख्यमंत्री ने सारंगपुर गांव के विकास के लिए 41 लाख रुपए की सीसी रोड निर्माण और गांव के मेन चौक में भव्य डोम निर्माण की घोषणा की।

उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने भूमि पूजन के अवसर पर कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में सरकार गांव, गरीब और किसान को केंद्र में रखकर योजनाओं का क्रियान्वयन कर रही है। उन्होंने कहा कि नहरों की लाइनिंग से पानी का अनावश्यक रिसाव रुकेगा, जल संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा और नहरों के अंतिम छोर तक भी समान रूप से पानी पहुंच सकेगा। इससे न केवल फसलों की उत्पादकता बढ़ेगी, बल्कि किसानों की आय में भी वृद्धि होगी। कार्यक्रम के दौरान उप मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को गुणवत्ता के साथ समय-सीमा में कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सरकार की मंशा है कि योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे और क्षेत्र के समग्र विकास को गति मिले। उन्होंने कहा कि नहर निर्माण कार्य से उनकी खेती को सीधा लाभ मिलेगा। आज से निर्माण कार्य प्रारंभ किया जा रहा है, इसलिए गांव के लोग भी इसमें सक्रिय रूप से ध्यान दें और जनसहयोग से कार्य को सफल बनाएं। उन्होंने कहा कि किसी भी विकास कार्य की सफलता में आमजन की भागीदारी सबसे अहम होती है।

उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने इस अवसर पर गांव में संचालित विभिन्न विकास कार्यों की जानकारी देते हुए बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पात्र हितग्राहियों को आवास स्वीकृत किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि सरकार ने अपने वादे के अनुरूप गठन के साथ ही कैबिनेट की पहली बैठक में आवास योजना को स्वीकृति देकर इसे प्राथमिकता दी है। उन्होंने कहा कि ग्रामीणों को योजनाओं के तहत मिली राशि गांव में ही आसानी से मिल सके, इसके लिए ग्राम पंचायत भवन में डिजिटल सुविधा केंद्र संचालित किया जा रहा है, जिससे महिलाओं और बुजुर्गों को विशेष सुविधा मिल रही है। साथ ही महतारी वंदन योजना के तहत अब तक 25 किस्तों में 25 हजार रुपए की राशि हितग्राहियों के खातों में अंतरित की जा चुकी है, जिससे महिलाओं को आर्थिक मजबूती मिली है। इसके साथ ही सीएलएफ स्तर पर गांव में महतारी सदन का निर्माण भी किया जा रहा है। उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने यह भी बताया कि स्वामित्व योजना के तहत ग्रामीणों को उनके संपत्ति अधिकार सुनिश्चित करने के लिए अधिकार पत्र तैयार किए जा रहे हैं, जिससे गांवों में पारदर्शिता और स्वामित्व की स्पष्टता बढ़ेगी। कार्यक्रम में पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष श्री विदेशी राम धुर्वे, जनपद उपाध्यक्ष श्री नंद श्रीवास, श्री राम किंकर वर्मा, श्री मनीराम साहू सहित जनप्रतिनिधि और ग्रामवासी उपस्थित रहे। वर्तमान में इन नहरों के माध्यम से लगभग 1045 एकड़ क्षेत्र में सिंचाई की सुविधा उपलब्ध है। परियोजना पूर्ण होने के पश्चात सिंचाई क्षमता में 495 एकड़ की अतिरिक्त वृद्धि होगी, जिससे कुल 1540 एकड़ क्षेत्र में किसानों को नियमित एवं सुचारू रूप से खरीफ फसलों के लिए पानी मिल सकेगा। इससे क्षेत्र में कृषि उत्पादन को नई गति मिलने की उम्मीद है।

परियोजना के अंतर्गत कुल लगभग 13.65 किलोमीटर लंबाई की नहरों का सी.सी. लाइनिंग एवं जीर्णोद्धार कार्य किया जाएगा। इसमें प्रमुख रूप से राम्हेपुर वितरक नहर (4650 मीटर), सिल्हाटी माइनर-1 (1230 मीटर), सिल्हाटी माइनर-2 (1680 मीटर), बघरा माइनर (780 मीटर) तथा राम्हेपुर टेल माइनर (दांयी एवं बांयी) कुल 5310 मीटर शामिल हैं। इसके साथ ही नहरों में आवश्यक पक्के संरचनाओं का पुनर्निर्माण एवं मरम्मत कार्य भी किया जाएगा, जिससे नहरों की मजबूती और जल प्रवाह की क्षमता में वृद्धि होगी। इस योजना से मुख्य रूप से मानिकपुर, सिल्हाटी, बघर्रा, सारंगपुर कला, सिंधनुपरी एवं राम्हेपुर कला ग्रामों के किसान सीधे तौर पर लाभान्वित होंगे। नहरों के सुदृढ़ीकरण से इन गांवों में जल की उपलब्धता सुनिश्चित होगी, जिससे किसानों को सिंचाई के लिए वैकल्पिक साधनों पर निर्भरता कम करनी पड़ेगी।

भारत ने श्रीलंका को 38,000 मीट्रिक टन फ्यूल भेजा, श्रीलंकाई नेताओं ने जताया आभार

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम एशिया में भारी तनाव का असर दुनिया के अलग-अलग देशों में देखने को मिल रहा है। इस बीच भारत ने अपने पड़ोसी देश श्रीलंका की मदद के लिए उसे 38 हजार मीट्रिक टन फ्यूल की मदद भेजी है। भारत की ओर से इस मदद के लिए श्रीलंकाई नेताओं ने धन्यवाद किया। वहीं सांसद और श्रीलंका पोदुजाना पेरामुना (एसएलपीपी) पार्टी के राष्ट्रीय आयोजक और पूर्व राष्ट्रपति महिंदा राजपक्षे के बेटे नमल राजपक्षे ने श्रीलंकाई सरकार को फ्यूल टैक्स एडजस्टमेंट जैसे मॉडल पर काम करने की सलाह दी। उन्होंने भारत की नीतियों की जमकर सराहना की। नमल राजपक्षे ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारत के लोगों ने एक बार फिर श्रीलंका को 38,000 टन पेट्रोलियम की समय पर शिपमेंट करके नेबरहुड फर्स्ट पॉलिसी को बनाए रखा है। भारत हमेशा संकट के समय में श्रीलंका के लिए सबसे पहले खड़ा रहा है। जरूरी सप्लाई से लेकर आर्थिक मदद तक, जो उसकी नेबरहुड फर्स्ट पॉलिसी की सच्ची झलक है। एक क्षेत्र के तौर पर यह जरूरी है कि देश क्षेत्र की बेहतरी के लिए रणनीतिक साझेदार के तौर पर मिलकर काम करें।

उन्होंने श्रीलंकाई सरकार से भारत का मॉडल अपनाने की सलाह दी और कहा कि हम श्रीलंका सरकार से अपील करते हैं कि वह भारत के हालिया फ्यूल टैक्स एडजस्टमेंट जैसे मॉडल पर विचार करे। भारत ने एक्साइज ड्यूटी इसलिए कम नहीं की, ताकि कीमतें तुरंत कम हों, बल्कि मार्केट को स्थिर करने और ग्लोबल तेल कीमतों में उतार-चढ़ाव के दौरान और बढ़ोतरी को रोकने के लिए ऐसा किया।

नमल राजपक्षे ने कहा, जैसे-जैसे श्रीलंका आगे बढ़ेगा, सरकार को अपनी आर्थिक नीतियों को भी मजबूत करना होगा। हालांकि फिस्कल डिसिप्लिन जरूरी है, लेकिन भारत के ज्यादा ग्रोथ-ओरिएंटेड अप्रोच में देखा गया ज्यादा टैक्स बोझ कम करने से निवेश को बढ़ावा देने, नागरिकों पर दबाव कम करने और लंबे समय की रिकवरी में मदद मिल सकती है। भारत ने यह पहली बार आगे आकर श्रीलंका की मदद नहीं की है, इससे पहले भी कई बार भारत ने नेबरहुड फर्स्ट की नीति को अपनाते हुए अपने पड़ोसी की मदद की है। ऐसे में भारत जैसे एक अच्छे और मददगार पड़ोसी की अहमियत पर जोर देते हुए नमल राजपक्षे ने कहा, मजबूत साझेदारी बनानी और बचानी चाहिए, उनका राजनीतिकरण नहीं करना चाहिए।

बिहार से गांजा खरीदकर दिल्ली में बेचते थे

हौज काजी पुलिस ने तीन आरोपियों को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी में नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत दिल्ली पुलिस की सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट टीम ने बड़ी सफलता हासिल की है। हौज काजी थाना पुलिस ने एक अंतरराज्यीय ड्रग तस्करी नेटवर्क का भंडाफोड़ करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके कब्जे से 8.505 किलोग्राम गांजा और 10 ग्राम हेरोइन बरामद की है। 24 मार्च 2026 को नियमित पेट्रोलिंग के दौरान एएसआई भुवनेश्वर और उनकी टीम को सदर बाजार स्थित एक्सेलसियर सिनेमा के पास एक गली में नशे के अवैध कारोबार की पुख्ता सूचना मिली।

पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुंची और जांच के दौरान मोहम्मद अली नामक व्यक्ति को स्मैक का सेवन करते हुए पकड़ा। इस मामले में हौज काजी थाने में एनडीपीएस एक्ट की धाराओं के तहत केस दर्ज कर जांच शुरू की गई। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह नशा पहाड़गंज पुल के पास रहने वाले सोनू नामक व्यक्ति से खरीदता था। सूचना के आधार पर पुलिस ने एक विशेष टीम बनाई और एसीपी कमला मार्केट की निगरानी में कार्रवाई की गई। 27 मार्च की सुबह टोडापुर इलाके में जाल बिछाकर तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया। ये आरोपी गांजा, स्मैक और हेरोइन की सप्लाई में शामिल थे। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान बिनोद कुमार, सोनू कुमार मंडल, संजीत कुमार उर्फ सोनू के रूप में हुई है।

हथियार तस्करी गिरोह का भंडाफोड़, अमृतसर में 10 विदेशी पिस्तौल के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब पुलिस सीमा पार से हो रही ड्रग और हथियारों की तस्करी के खिलाफ लगातार कार्रवाई कर रही है। इसी कड़ी में अमृतसर की काउंटर इंटेलिजेंस टीम ने सीमा पार अवैध हथियारों की तस्करी करने वाले एक गिरोह का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने गिरोह के दो आरोपियों को गिरफ्तार करते हुए इनके कब्जे से 10 विदेशी अत्याधुनिक पिस्तौलें और मैगज़ीन बरामद की हैं। यह जानकारी पंजाब के डीजीपी की ओर से सोशल मीडिया पर दी गई है। पंजाब डीजीपी गौरव यादव के मुताबिक, प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि आरोपी एक विदेशी गैंगस्टर के इशारे पर काम कर रहे थे। पाकिस्तान स्थित तस्करों के साथ समन्वय स्थापित करके

भारत में अवैध हथियारों की तस्करी कर रहे थे। यह खेप पंजाब भर के आपराधिक तत्वों में वितरित की जानी थी। अमृतसर पुलिस स्टेशन एसएसओसी में शस्त्र अधिनियम और बीएनएस अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज की गई है। आगे और पीछे के संबंधों का पता लगाने और पूरे तस्करी नेटवर्क को खत्म करने के लिए आगे की जांच जारी है। डीजीपी ने कहा कि पंजाब पुलिस अवैध हथियारों की तस्करी, संगठित अपराध और राष्ट्र विरोधी गतिविधियों के खिलाफ अपनी शून्य-सहिष्णुता नीति के प्रति प्रतिबद्ध है ताकि पंजाब को सुरक्षित और संरक्षित रखा जा सके।

इससे पहले गुरुवार को पंजाब के जालंधर में खुफिया टीम ने एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए अंतरराज्यीय अवैध वेपन सप्लाई मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया था। टीम ने इस दौरान उत्तर प्रदेश से दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। उनके पास से 10 देसी पिस्तौल (7.65 एमएम) और 20 मैगजीन बरामद की गई। इससे पहले, दो बीकेआई सदस्यों को उनके विदेशी हैंडलर के निर्देश पर बलाचौर के पास तीन ग्रेनेड और एक आईईडी खरीदने और लगाने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। बाद में इन्हीं आईईडी का इस्तेमाल हिमाचल प्रदेश के नालागढ़ पुलिस स्टेशन में हुए विस्फोट में किया गया था। आरोपी विदेशी दलालों के निर्देश पर गढ़शंकर में एक ट्रैवल एजेंट के आवास पर जबरन वसूली के लिए हथियार खरीदने और गोलीबारी करने में भी शामिल रहे हैं।

केरल के पलक्कड में बोले पीएम मोदी

कांग्रेस और लेफ्ट जहां भी सत्ता में आते हैं, सब कुछ बर्बाद कर देते हैं

पलक्कड (एजेंसी)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने केरल विधानसभा चुनाव के लिए पलक्कड चुनाव प्रचार किया। इस दौरान एक जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कांग्रेस और वाम दलों पर आरोप लगाया कि इन्होंने राज्य को आर्थिक संकट में धकेल दिया। उन्होंने कहा कि देश गवाह है कि जहां भी कांग्रेस और वामपंथियों का शासन रहा वहां विकास की जगह बर्बादी आई।

पीएम मोदी ने कहा, कांग्रेस और वामपंथियों का ट्रैक रिकॉर्ड रहा है कि जहां भी वे सत्ता में आते हैं, वे सब कुछ बर्बाद कर देते हैं। पूरा देश जानता है कि वामपंथियों ने बंगाल और त्रिपुरा में क्या किया; सबने यह भी देखा है कि कांग्रेस ने पूरे देश में क्या किया। केरल भी उनकी इन्हीं नापाक योजनाओं की चपेट में आकर पिस गया है। यहां से सरकारी कर्मचारियों के वेतन भुगतान में देरी की खबरें आती रहती हैं। हाल ही में, केरल में सरकारी कर्मचारियों के DA और लीव एनकैशमेंट के बकाया भुगतानों को लेकर एक बड़ा विवाद खड़ा हो गया था।

कांग्रेस इन सब बातों के लिए वामपंथियों पर हमला करती है, लेकिन जहां कांग्रेस खुद सत्ता में है, वहां भी हालात खराब ही हैं। ज़रा पड़ोसी राज्य कर्नाटक को ही देख लीजिए; वहां भी ज़्यादातर विकास कार्य ठप पड़े हैं। हिमाचल प्रदेश भी आर्थिक संकट से जूझ रहा है। यही है कांग्रेस का शासन मॉडल। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि उनकी सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए लगातार काम कर रही है कि पश्चिम एशिया में जारी युद्ध का भारत पर कम से कम प्रभाव पड़े। साथ ही उन्होंने कांग्रेस पर राजनीतिक फायदे के लिए भारतीयों के जीवन को खतरे में डालने वाली खतरनाक टिप्पणियां करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि केरल के कई लोग संघर्षग्रस्त क्षेत्रों में काम कर रहे हैं और उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि उनकी सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा, इस समय सभी का ध्यान पश्चिम एशिया में जारी युद्ध पर केंद्रित है। हमारी सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए निरंतर प्रयासरत है कि भारत पर इसका कम से कम प्रभाव पड़े।

ईरान से तनाव के बीच सुलह की कोशिश, पाकिस्तान जा सकते हैं अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस

इस्लामाबाद (एजेंसी)। ईरान और अमेरिका-इजरायल में तनाव की आंच अब दुनिया के दूसरे देशों तक पहुंच चुकी है। अमेरिका अपनी शर्तों पर युद्ध खत्म करना चाहता है, लेकिन ईरान अपनी जिद पर डटा है। इस बीच पाकिस्तान ने ईरान और अमेरिका के बीच सुलह कराने की बात कही। इस बीच अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के पाकिस्तान दौरे की खबरें सामने आ रही हैं।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, अमेरिकी उपराष्ट्रपति वेंस ईरान के खिलाफ अमेरिका-इजरायल युद्ध को खत्म करने के मकसद से बातचीत के लिए पाकिस्तान जा सकते हैं। अमेरिकी मीडिया सीएनएन ने दो वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों के हवाले से बताया कि पाकिस्तान के खुद को एक अहम मीडिएटर के तौर पर पेश करने के बाद इस हफ्ते इस्लामाबाद में एक मीटिंग अरेंज करने की तैयारी चल रही है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि शायद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सरकार के दूसरे सीनियर अधिकारियों के साथ जेडी वेंस पाकिस्तान जा सकते हैं। इससे पहले द फाइनेंशियल टाइम्स ने कहा था कि पाकिस्तान के आर्मी चीफ असीम मुनीर ने ट्रंप से बात की थी। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने भी सोमवार को ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन से बात की। इस बीच व्हाइट हाउस ने कहा है कि ईरान के खिलाफ अमेरिकी सैन्य अभियान निर्धारित समय से आगे चल रहे हैं और अपने मुख्य उद्देश्यों के करीब पहुंच रहे हैं। वहीं वॉशिंगटन तेहरान के साथ सार्थक बातचीत जारी रखे हुए है, जिसका उद्देश्य इस संघर्ष को समाप्त करना है।

व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने मीडिया से कहा कि अमेरिका ऑपरेशन एपिक फ्यूरी के मुख्य लक्ष्यों को हासिल करने के करीब है। उन्होंने कहा, सिर्फ तीन हफ्तों से थोड़ा अधिक समय में यह पूरी तरह स्पष्ट हो गया है कि ऑपरेशन एपिक फ्यूरी एक बड़ी सैन्य जीत साबित हुआ है। उन्होंने बताया कि अब तक 9,000 से अधिक दुश्मन ठिकानों पर हमला किया जा चुका है। लेविट ने कहा कि इस अभियान की शुरुआत के बाद से ईरान के मिसाइल और ड्रोन हमलों में लगभग 90 प्रतिशत की कमी आई है। उन्होंने दावा किया कि अमेरिका ने ईरान के 140 से अधिक नौसैनिक जहाजों को नष्ट कर दिया है, जिसे कैरोलिन ने द्वितीय विश्व युद्ध के बाद तीन हफ्तों में किसी नौसेना के सबसे बड़े विनाश के रूप में बताया। कैरोलिन लेविट ने कहा, हर गुजरते दिन के साथ हमारे सैन्य प्रयास अधिक सफल हो रहे हैं और ईरान की व्यापारिक जहाजों को डराने की क्षमता लगातार कम हो रही है। इस अभियान ने होर्मुज स्ट्रेट के जरिए शिपिंग को खतरे में डालने की ईरान की क्षमता को काफी कमजोर कर दिया है, जो वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति के लिए एक महत्वपूर्ण मार्ग है।

रूस 1 अप्रैल से नहीं बेचेगा पेट्रोल, 31 जुलाई तक लगाई रोक

मॉस्को (एजेंसी)। वैश्विक तेल बाजार में जारी उथल-पुथल के बीच रूस ने बड़ा कदम उठाते हुए 1 अप्रैल से पेट्रोल (गैसोलीन) के निर्यात पर अस्थायी प्रतिबंध लगाने का फैसला किया है। इकोनॉमिक्स टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, इस फैसले की आधिकारिक पुष्टि रूसी सरकार ने कर दी है।

रूस के उप प्रधानमंत्री अलेक्जेंडर नोवाक ने ऊर्जा मंत्रालय को निर्देश जारी करते हुए 1 अप्रैल से पेट्रोल निर्यात पर रोक लगाने का प्रस्ताव तैयार करने को कहा है। रूसी समाचार एजेंसी ञ्रस्स के मुताबिक, यह प्रतिबंध चार महीने यानी 31 जुलाई तक लागू रह सकता है।

सरकार के अनुसार, मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव ने वैश्विक तेल और पेट्रोलियम बाजार में अस्थिरता पैदा कर दी है। इससे कीमतों में तेज उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। हालांकि, रूस ने यह भी कहा है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में उसकी ऊर्जा संसाधनों की मांग अभी भी मजबूत बनी हुई है।

सरकार ने भरोसा दिलाया है कि देश में कच्चे तेल का रिफाइनिंग स्तर पिछले वर्ष जैसा ही बना हुआ है, जिससे घरेलू स्तर पर पेट्रोलियम उत्पादों की आपूर्ति स्थिर रहेगी। इस फैसले के पीछे घरेलू कारण भी अहम हैं। पिछले साल रूस और उसके नियंत्रण वाले यूक्रेन के कुछ क्षेत्रों में पेट्रोल की कमी देखने को मिली थी। उस दौरान यूक्रेन की ओर से रूसी तेल रिफाइनरियों पर हमले तेज कर दिए गए थे, जिससे आपूर्ति प्रभावित हुई थी।

मध्य पूर्व संकट के बीच ऑस्ट्रेलिया का बड़ा कदम, एंथोनी अल्बानीज सरकार देगी ईंधन खरीद की गारंटी

सिडनी (एजेंसी)।

पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष से ऑस्ट्रेलिया भी प्रभावित हुआ है। तेल संकट जैसी परिस्थितियों से निपटने के लिए प्रधानमंत्री एंथोनी अल्बानीज के नेतृत्व में ऑस्ट्रेलियाई सरकार कदम उठा रही है। इसी क्रम में सरकार ने मध्य पूर्व में जारी संघर्ष से प्रभावित आवश्यक वस्तुओं की खरीद को सुरक्षित करने के लिए नए ईंधन सुरक्षा उपायों की घोषणा की है। प्रधानमंत्री एंथोनी अल्बानीज और ऊर्जा मंत्री क्रिस बोवेन ने सिडनी में पत्रकारों को बताया कि सरकार सोमवार को संघीय संसद में एक विधेयक पेश करेगी। यह विधेयक मौजूदा निर्यात क्रेडिट एजेंसी को निजी क्षेत्र की ओर से ईंधन, उर्वरक और अन्य जरूरी चीजों की खरीद की गारंटी देने की अनुमति देगा।

अल्बानीज ने कहा, सीधे शब्दों में कहें तो, हम 'एक्सपोर्ट फाइनेंस ऑस्ट्रेलिया' का इस्तेमाल करके जहाजों में भरकर आने वाले ईंधन की खरीद की गारंटी देंगे। इससे ऑस्ट्रेलिया में ईंधन की आपूर्ति बढ़ेगी। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि सरकार की ओर से मिलने वाला यह समर्थन कोई सामान्य कारोबारी प्रक्रिया नहीं होगी। इसके तहत सिर्फ वही अतिरिक्त आपूर्ति शामिल होगी, जो अंतरराष्ट्रीय बाजार में उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि इन नए उपायों से उन आयातकों का वित्तीय जोखिम कम होगा जो अतिरिक्त आपूर्ति सुनिश्चित करते हैं। समाचार एजेंसी 'शिन्हुआ' की रिपोर्ट के अनुसार, ये उपाय ऐसे समय में किए जा रहे हैं, जब पूरे ऑस्ट्रेलिया में ईंधन की कीमतें आसमान छू रही हैं और क्षेत्रीय इलाकों में इसकी भारी किल्लत हो रही है।

बोवेन ने बताया कि शनिवार तक ऑस्ट्रेलिया के राष्ट्रीय भंडार में 39 दिनों का पेट्रोल, 30 दिनों का डीजल और 30 दिनों का जेट ईंधन मौजूद था। इससे पहले, प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज ने शुक्रवार को कहा कि अल्पावधि में ऑस्ट्रेलिया की ईंधन आपूर्ति की स्थिति अच्छी नजर आ रही है, लेकिन आने वाले महीनों में हालात और भी मुश्किल हो सकते हैं। देश के सामने गहराते ईंधन संकट को लेकर कैनबरा स्थित संसद भवन में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए अल्बानीज ने कहा कि सरकार 'दिन-रात काम कर रही है', ताकि एक मजबूत योजना तैयार की जा सके और भविष्य में आने वाली किसी भी चुनौती का सामना करने के लिए पूरी तरह से तैयार व तत्पर रहा जा सके।

अल्बानीज ने मलेशिया (जो ऑस्ट्रेलिया को तेल की आपूर्ति करने वाला एक प्रमुख देश है) और व्यापक आसियान क्षेत्र के साथ अपने सकारात्मक संवादों का भी जिक्र किया। अल्बानीज ईंधन संकट के मुद्दे पर राष्ट्रीय कैबिनेट की एक बैठक भी बुलाएंगे।

अवैध गैस कारोबार पर पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 24 सिलेंडर जब्त, दो आरोपी गिरफ्तार

जोधपुर (एजेंसी)। जोधपुर पश्चिम पुलिस ने अवैध गैस भंडारण, परिवहन और कालाबाजारी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 24 कॉमर्शियल गैस सिलेंडर और एक लोडिंग टैक्सी जब्त की है। जोधपुर पुलिस के निर्देश पर थाना झंवर की टीम ने नाकाबंदी कर संदिग्ध वाहन को रोका। जांच के दौरान वाहन में भरे हुए गैस सिलेंडर पाए गए। पुलिस ने मौके से राकेश बिश्नोई (25) और मालूराम उर्फ मलूराम (41) को गिरफ्तार किया। दोनों आरोपी गैस की अवैध सप्लाई और कालाबाजारी में लिप्त बताए जा रहे हैं। इस कार्रवाई का नेतृत्व थानाधिकारी प्रहलाद सिंह ने किया। मामले में आवश्यक वस्तु अधिनियम और बीएनएस की धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस अब नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की तलाश में जुटी है।

ट्रेन के खाने में मिली गड़बड़ी तो हो जाएं अलर्ट! ऐसे करें शिकायत, रेलवे लेगा तुरंत एक्शन

नई दिल्ली (एजेंसी)। पटना-टाटानगर वंदे भारत एक्सप्रेस (ट्रेन संख्या 21896) में परोसे गए खाने को लेकर बड़ा विवाद सामने आया है। दही में कीड़ा मिलने की घटना सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गई। यात्री शिकायत के बाद रेलवे ने कार्रवाई करते हुए आईआरसीटीस पर 10 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। जबकि संबंधित वेंडर (कैटरिंग कंपनी) पर 50 लाख रुपये का भारी जुर्माना लगाते हुए उसका कॉन्ट्रैक्ट भी समाप्त कर दिया है।

प्रीमियम वंदे भारत ट्रेनों में इस तरह की लापरवाही सामने आने से यात्रियों में नाराजगी है। यात्रियों का कहना है कि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए रेलवे को और कड़े नियम लागू करने चाहिए। ऐसे में रेलवे द्वारा यात्रियों को भी सलाह दी जा रही है कि सफर के दौरान खाने को ध्यान से जांच लें। यदि ट्रेन में खराब या संदिग्ध भोजन मिले तो तुरंत शिकायत दर्ज कराएं, ताकि समय रहते कार्रवाई हो सके। अगर ट्रेन में किसी यात्री को खाना, दही, पानी या किसी भी तरह की खाद्य सामग्री खराब लगे, तो तुरंत वेंडर को बुलाकर आईआरसीटीसी के कैटरिंग मैनेजर को मौके पर बुलाने के लिए कहें। हर ट्रेन में एक कैटरिंग मैनेजर मौजूद होता है, जिसके पास आप अपनी शिकायत लिखित रूप में दर्ज करा सकते हैं। इसके बाद यात्री रेल मदद ऐप या पोर्टल पर भी शिकायत दर्ज कर सकते हैं।

अमित शाह का बड़ा ऐलान, असम में चार शादियों पर लगेगा बैन

असम (एजेंसी)। असम विधानसभा चुनाव से पहले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने घुसपैठ पर हमला करते हुए बड़ा ऐलान किया. नलबाड़ी में एक जनसभा को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कहा कि भाजपा सरकार आने वाले दिनों में असम में भी समान नागरिक संहिता लाकर चार शादियों पर प्रतिबंध लगाने वाली है. उन्होंने कांग्रेस पर वोट-बैंक की राजनीति के लिए राज्य के डेमोग्राफिक्स को बदलने का आरोप लगाया. उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार अगले पांच सालों में हर घुसपैठिए की पहचान करके उसे देश से निकाल देगी.

उन्होंने आगे आरोप लगाया कि पिछली कांग्रेस सरकारों ने दशकों तक अवैध घुसपैठ की अनुमति दी थी. शाह ने कहा, कांग्रेस सरकार ने सालों तक असम के अंदर घुसपैठियों के लिए दरवाजे खुले रखे थे. हमारे मुख्यमंत्री, हिमंत बिस्वा सरमा ने बॉर्डर बंद कर दिए हैं और घुसपैठियों द्वारा कब्ज़ा की गई 1.25 लाख एकड़ ज़मीन वापस ले ली है. केंद्रीय मंत्री ने घुसपैठ के खिलाफ एक मजबूत रोडमैप बताया. उन्होंने कहा, आज मैं नलबाड़ी यह कहने आया हूं- तीसरी बार 'कमल के फूल' की सरकार बनाओ. अगले पांच सालों में हम हर एक घुसपैठिए की पहचान करके उसे देश से निकाल देंगे

साइबर अपराधियों ने तीन साल में 150 करोड़ ठगे, सबसे अधिक मामले कांगड़ा में दर्ज

हिमाचल (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश में बीते तीन साल के दौरान साइबर ठगी के 585 मामले दर्ज हुए हैं। एक अरब 50 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी हुई है। पुलिस ने 258 आरोपी गिरफ्तार किए और 10.25 करोड़ रुपये की बरामदगी की है। डिजिटल फ्रॉड के सबसे अधिक 59 मामले जिला कांगड़ा में दर्ज हुए। प्रश्नकाल के दौरान भाजपा विधायक इंद्रदत्त लखनपाल के सवाल का जवाब देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि डिजिटल धोखाधड़ी से बचाने को सख्त कदम उठाए जा रहे हैं।

डिजिटल धोखाधड़ी से निपटने के लिए प्रदेश के 146 पुलिस थानों में साइबर हेल्प डेस्क स्थापित किए गए हैं। आठ अधिकारियों को विशेष प्रशिक्षण दिया जा चुका है और 29 अधिकारियों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने बताया कि 585 मामले तो दर्ज हुए हैं। कई मामलों में लोग शिकायत भी दर्ज नहीं करवाते।

55 लाख से ज्यादा सिलिंडर हुए वितरित, केंद्र सरकार बोली- एलपीजी आपूर्ति सामान्य

नई दिल्ली (एजेंसी)। पेट्रोलियम मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि देश में घरेलू एलपीजी सिलिंडरों की आपूर्ति सामान्य है। शनिवार को 55 लाख से अधिक एलपीजी सिलिंडर वितरित किए गए। इसके साथ ही 64,000 पांच किलोग्राम के फ्री-ट्रेड सिलिंडरों की बिक्री भी हुई। मंत्रालय के अनुसार, किसी भी एलपीजी वितरक पर स्टॉक खत्म होने (ड्राई-आउट) की कोई रिपोर्ट नहीं है।

उद्योग स्तर पर एलपीजी सिलेंडरों की ऑनलाइन बुकिंग 94 प्रतिशत तक बढ़ गई है। वितरकों के स्तर पर किसी भी तरह के विचलन को रोकने के लिए, डिलीवरी प्रमाणीकरण कोड (डीएसी) आधारित डिलीवरी का प्रतिशत फरवरी में 53 प्रतिशत से बढ़कर 84 प्रतिशत हो गया है। सरकार की ओर से बताया गया है कि सभी रिफाइनरियां उच्च क्षमता पर काम कर रही हैं और कच्चे तेल के पर्याप्त भंडार मौजूद हैं। देश में पेट्रोल और डीजल का भी पर्याप्त स्टॉक बना हुआ है। घरेलू खपत का समर्थन करने के लिए रिफाइनरियों से घरेलू एलपीजी उत्पादन बढ़ाया गया है। देश भर में सभी पेट्रोल पंप सामान्य रूप से काम कर रहे हैं।

गुजरात में दलित-आदिवासियों पर बढ़ते अत्याचार का आरोप, राहुल गांधी ने उठाया मुद्दा

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने गुजरात में दलित और आदिवासी समुदायों के खिलाफ बढ़ते अत्याचार को लेकर केंद्र और राज्य सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि राज्य में नफरत, भेदभाव और हिंसा का माहौल लगातार गहराता जा रहा है।

राहुल गांधी ने 2016 के ऊना कोड़े मारने की घटना का जिक्र करते हुए कहा कि यह घटना पूरे देश को झकझोर देने वाली थी। उस समय चार दलित युवकों को सार्वजनिक रूप से पीटा गया था। उन्होंने कहा कि करीब एक दशक बीत जाने के बावजूद पीड़ितों को अब तक न्याय नहीं मिल सका है, जो अपने आप में एक बड़ी विफलता है।

'गोटी कलटी मार': मुंबई इंडियंस के ड्रेसिंग रूम से बैट लेकर भागे रिंकू सिंह, तिलक वर्मा बोले- अरे कितना बैट लोगे

नई दिल्ली (एजेंसी)।

मुंबई इंडियंस ने रविवार 29 मार्च को आईपीएल 2026 में अपना अभियान शुरू किया। इस मैच में केकेआर के खिलाफ जीत दर्ज करते हुए एमआई ने इतिहास भी रचा। मुंबई का यह आईपीएल इतिहास में रिकॉर्ड रन चेज भी रहा। इस मैच के बाद मुंबई के ड्रेसिंग रूम से एक मजाकिया वीडियो सामने आया, जिसमें रिंकू सिंह बैट लेकर भागते दिखे। इस दौरान उनका शानदार कंवर्सेशन भी तिलक वर्मा के साथ वायरल हुआ।

रिंकू सिंह और अंगकृष रघुवंशी मैच के बाद मुंबई इंडियंस के खेमे में नजर आए। इस दौरान एक बैट से रघुवंशी बॉल को डग करते भी दिखे। इसी दौरान रिंकू, सूर्या और तिलक समेत कई खिलाड़ी वहां मौजूद थे। फिर अचानक कुछ ही देर में रिंकू सिंह एक बैट लेकर मुंबई के खेमे से जाने लगे। फिर सभी उन्हें रोकते हैं और कहते हैं बैट रखने को। तब रिंकू कहते हैं, 'मेरा बैट नहीं है, फिन एलन का बैट है यह। इसके बाद तिलक वर्मा जब रिंकू से कहते हैं, 'आओ, आओ, इधर आओ दिखाओ।' तब रिंकू नहीं रुकते हैं और बैट लेकर भागते हैं (तेजी से चलते हुए)। इस दौरान वीडियो में धमाल मूवी का मशहूर डायलॉग, गोटी कलटी मार... भी बजता है। उसके बाद पीछे से तिलक वर्मा कहते हैं, 'अरे कितना बैट लेगा।' मुंबई इंडियंस ने भी अपने एक्स हैंडल पर वीडियो शेयर किया और कैप्शन लिखा, 'और कितने बैट लोगे रिंकू भाई।'

रोहित-रयान तूफानी पारी खेलकर रह गए पीछे; शार्दुल ने मारी बाजी

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2026 का तीसरा मैच मुंबई इंडियंस और केकेआर के बीच खेला गया। ये मैच काफी रोमांचक रहा जिसमें 6 विकेट से हार्दिक पंड्या की टीम को जीत मिली और इस मैच में दोनों टीमों की तरफ से जमकर रन बने।

मुंबई की जीत में रोहित शर्मा और रयान रिकेल्टन की पारी का जबरदस्त योगदान रहा, लेकिन इन दोनों में से किसी को भी प्लेयर ऑफ द मैच नहीं मिला। इन दोनों को पीछे छोड़कर इस मामले में टीम के गेंदबाजी ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर ने बाजी मार ली। शार्दुल ठाकुर ने इस मुकाबले में मुंबई के लिए गेंदबाजी करते हुए केकेआर के खिलाफ 4 ओवर में 39 रन देकर 3 विकेट लिए। शार्दुल ठाकुर ने इस मैच में केकेआर के कप्तान अजिंक्य रहाणे को 67 रन, फिन एलन को 37 रन जबकि कैमरन ग्रीन को 18 रन के स्कोर पर आउट किया। शार्दुल ठाकुर को उनकी शानदार गेंदबाजी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। हालांकि, इस मैच में शार्दुल ठाकुर ने केकेआर के तीन टॉप के बैटर को आउट किया, लेकिन फिर भी इस टीम ने 20 ओवर में 4 विकेट पर 220 रन का बड़ा स्कोर बनाया।

केकेआर के लिए अंगकृष रघुवंशी ने भी 29 गेंदों पर 51 रन जबकि उप-कप्तान रिंकू सिंह ने 21 गेंदों पर नाबाद 33 रन की पारी खेली। इस मुकाबले में मुंबई को जीत के लिए 221 रन का बड़ा टारगेट मिला था जिसे रोहित और रयान की बल्लेबाजी के दम पर मुंबई ने आसानी से हासिल किया। रयान ने 43 गेंदों पर 81 रन, जबकि रोहित ने 38 गेंदों पर 78 रन बनाकर टीम को जीत की राह पर लिया दिया। दोनों के बीच पहले विकेट के लिए 148 रन की तगड़ी साझेदारी भी हुई। इन दोनों ने ही टीम की जीत का आधार बनाया और फिर मुंबई ने 19.5 ओवर में 4 विकेट पर 224 रन बनाकर मैच जीत लिया। हालांकि इस मैच में रोहित व रयान में से कोई एक भी प्लेयर ऑफ द मैच बनना डिजर्व करते थे।

रोहित को मिला खास अवॉर्ड, नीता अंबानी ने पहनाया मेडल

नई दिल्ली (एजेंसी)। हार्दिक पंड्या की कप्तानी में मुंबई इंडियंस ने आईपीएल 2026 की शुरुआत जीत के साथ की और केकेआर को पहले मुकाबले में 6 विकेट से रौंद दिया। मुंबई की टीम की तरफ से रोहित शर्मा और रयान रिकेल्टन ने शानदार बैटिंग की थी, लेकिन प्लेयर ऑफ द मैच का खिताब शार्दुल ठाकुर को मिला, लेकिन मुंबई की ड्रेसिंग रूम में रोहित शर्मा को बेस्ट बैट्समैन का खिताब मिला और उन्हें खुद नीता अंबानी ने मेडल पहनाया।

मुंबई की टीम ने आईपीएल का पहला मैच जीतने का गौरव 5108 दिन का बाद हासिल किया। यानी मुंबई को आईपीएल का पहला मुकाबला जीतने के लिए 13 साल का लंबा इंतजार करना पड़ा। मुंबई ने आईपीएल का अपना पहला मैच इससे पहले साल 2012 में चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ जीता था। इससे बाद साल 2013 से लेकर 2025 तक हर सीजन में इस टीम को अपने पहले मैच में हार का सामना करना पड़ा, लेकिन आखिरकार साल 2026 में ये सिलसिला टूट गया और मुंबई को इस सीजन के पहले मैच में जीत मिली।

रोहित शर्मा ने इस मैच में 38 गेंदों पर 78 रन की शानदार पारी खेली और टीम की जीत में अहम भूनिका निभाई। इस जीत के बाद मुंबई के ड्रेसिंग रूम में उन्हें बेस्ट बैट्समैन के खिताब से नवाजा गया। इस वक्त एक वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें नीता अंबानी ने अनाउंस किया कि द बेस्ट बैट्समैन गोज टू वन एंड ओनली रोहित शर्मा और फिर उन्होंने अपने हाथों से रोहित को ये अवॉर्ड दिया। वहीं रोहित ने कहा कि 13 साल से हमें इसका इंतजार था और इसे हमने हासिल किया।

हरभजन ने की रहाणे की आलोचना

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के पूर्व ऑफ स्पिनर हरभजन सिंह ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ इंडियन प्रीमियर लीग मैच के दौरान रोहित शर्मा के खिलाफ सुनील नारायण का इस्तेमाल नहीं करने को लेकर कोलकाता नाइट राइडर्स के कप्तान अजिंक्य रहाणे की आलोचना की।

रोहित तूफानी बल्लेबाजी कर रहे थे, उन्होंने 38 गेंद में 78 रन बनाए और सलामी जोड़ीदार रेयान रिकलटन (81 रन) के साथ 72 गेंद में 148 रन की भागीदारी की। तब रहाणे ने नारायण का इस्तेमाल नहीं किया जबकि मुंबई इंडियंस के इस स्टार खिलाड़ी के खिलाफ इस गेंदबाज का रिकॉर्ड बहुत अच्छा रहा है। हरभजन ने 'जियोस्टार' से कहा, 'सबसे अच्छा मुकाबला यह होता कि पावरप्ले में नारायण से गेंदबाजी कराई जाती, कम से कम एक या दो ओवर तो जरूर ताकि रोहित को शुरुआत में ही निशाना बनाया जा सके। विकेट लेकर मुंबई पर दबाव बनाने का उनके पास यही सबसे अच्छा मौका था। बल्कि नारायण ने अपने कोटे के पूरे ओवर भी नहीं फेंके, जिससे पता चलता है कि कप्तानी उस स्तर की नहीं थी।'

'क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया से पूछो', कैमरन ग्रीन की गेंदबाजी से जुड़े सवाल का केकेआर के कप्तान रहाणे ने दिया जवाब

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2026 की मिनी नीलामी में कोलकाता नाइट राइडर्स ने कैमरन ग्रीन को 25.20 करोड़ की कीमत पर खरीदा था। ग्रीन इस सीजन के पहले मैच में केकेआर की तरफ से मुंबई के खिलाफ खेले, लेकिन उन्होंने कुछ खास नहीं किया। ग्रीन ने मुंबई के खिलाफ हुए मैच में तीसरे नंबर पर बैटिंग करते हुए 10 गेंदों पर 18 रन की पारी खेली और आउट हो गए जबकि उन्होंने इस मैच में गेंदबाजी नहीं की। मुंबई के खिलाफ मिली हार के बाद अजिंक्य रहाणे ने टीम की गेंदबाजी के बारे में बात करते हुए कहा कि मुझे लगता है कि कैमरन ग्रीन जल्दी ही गेंदबाजी करना शुरू कर गेंदे तो टीम का कांबिनेशन थोड़ा अलग होगा। अभी हमें टीम का संतुलन देखना होगा और ऐसे खिलाड़ी को मौका देना होगा जो हमारे लिए अच्छी बॉलिंग कर सके। बैटिंग हमारी अच्छी रही, लेकिन गेंदबाजी में सही संतुलन

बनाना जरूरी है। ग्रीन जैसे ही गेंदबाजी करना शुरू कर देंगे हमारा कांबिनेशन सही हो जाएगा। रहाणे ने आगे कहा कि ग्रीन अभी केकेआर के लिए गेंदबाजी क्यों नहीं कर सकते ये सवाल आपको क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया से पूछना चाहिए। बैटिंग के लिहाज से बहुत सारी सकारात्मक बातें सामने आई हैं। मुझे लगा कि कार्तिक त्यागी ने भी अच्छी बॉलिंग की और वह काफी समय बाद कोई मैच खेल रहा था। मुझे लगा कि उसने सच में बहुत अच्छा प्रदर्शन किया। तो हां जैसा कि मैंने कहा कि बहुत सारी सकारात्मक बातें हैं और सीखने के लिए भी बहुत कुछ है।

रहाणे मुंबई के खिलाफ बीच मैच के दौरान बाहर चले गए थे और उन्हें ऐंठन संबंधी समस्या हुई थी। इसके बारे में बात करते हुए रहाणे ने कहा कि मेरी दोनों पिंडली में काफी ज्यादा ऐंठन हो रही है, लेकिन उम्मीद है कि मैं जल्दी ही ठीक हो जाऊंगा। मुझे लगा कि मुंबई के खिलाफ 220 रन का स्कोर अच्छा है। हमने सच में अच्छी बैटिंग की, लेकिन मुंबई की बल्लेबाजी भी शानदार रही। हमारी गेंदबाजी अभी अनुभवहीन है और सभी सीख रहे हैं। रहाणे ने कहा कि मैं 37 साल का हूं, लेकिन अभी भी युवा हूं।

'जितना करियर बचा है एमआई के लिए खेलो', हार्दिक ने साथी खिलाड़ी से की गुजारिश, कहा- उसका दिल बहुत बड़ा है

नई दिल्ली (एजेंसी)।

आईपीएल 2026 में मुंबई इंडियंस ने क्या शुरुआत की और इस टीम ने आईपीएल इतिहास का अपने सबसे बड़ा स्कोर भी चेज किया। मुंबई की टीम में रोहित शर्मा, रयान रिकेल्टन की बैटिंग साथ ही शार्दुल ठाकुर की शानदार गेंदबाजी का बड़ा योगदान रहा। केकेआर के खिलाफ 221 रन के टारगेट को हासिल करना आसान तो नहीं था, लेकिन मुंबई ने इस मुश्किल काम को करके दिखा दिया और इससे कप्तान हार्दिक पंड्या काफी खुश नजर आए।

केकेआर के खिलाफ मिली जीत के बाद हार्दिक पंड्या ने पूर्व कप्तान वो ओपनर बैटर रोहित शर्मा की जमकर तारीफ की और कहा कि वो टीम के लिए अपने आप में एक तोहफा हैं। मैंने कई बैटर्स को जबरदस्त शॉट्स खेलते देखा है, लेकिन जब भी मैं 'रो' (रोहित शर्मा) को शॉट्स खेलते देखता हूं, तो मुझे लगता है कि हर कोई हैरान रह जाता है। उन्होंने जिस तरह से बल्लेबाजी की वो असाधारण से कम नहीं था और मुझे खुशी है कि उन्होंने टीम के लिए इस तरह की पारी (38 गेंदों पर 78 रन) खेली।

इस मैच में केकेआर के खिलाफ शार्दुल ठाकुर ने 3 विकेट लिए और प्लेयर ऑफ द मैच बने। हार्दिक पंड्या ने शार्दुल ठाकुर के बारे में बात करते हुए कहा कि मैंने उनसे इस सीजन में कहा था कि अब बहुत हो गया आप अलग-अलग फ्रेंचाइजी में घूमना बंद करो। मैं चाहता हूं कि आप अपने पूरे करयिर के लिए यहीं रहो। वो एक अनोखे खिलाड़ी हैं और उनका दिल बहुत बड़ा है। वो जिस तरह से मैदान पर उतरते हैं और हमेशा बैट्समैन को अपनी चाल से मात देने की करते हैं। वो बेहतरीन हैं और मुझे उनके लिए काफी खुशी है।

हार्दिक ने कहा कि मुझे लगता है कि टी20 क्रिकेट में ऐसे स्कोर का पीछा करना मुश्किल होता है, लेकिन अगर शुरुआत अच्छी हो, तो 220 का स्कोर हमेशा हासिल किया जा सकता है। मुझे लगता है कि टॉप के दो बल्लेबाज रोहित और रयान जबरदस्त थे। जिस तरह से रोहित ने कुछ शानदार शॉट्स खेले और उसी समय रयान भी कमाल के थे और यह देखना बहुत अच्छा लगा। क्विंटन डिकॉक को नहीं खिलाने पर बात करते हुए हार्दिक ने कहा कि वो हमारे साथ पिछले साल भी थे और वो इस बात को समझते हैं। उन्हें पता है कि हम खिलाड़ी को लगातार मौके देकर उनका साथ दे रहे हैं। वो बेहतरीन इंसान हैं और उन्होंने भी हमारे लिए अच्छा प्रदर्शन किया है।

नसीम शाह को सोशल मीडिया पर पोस्ट करना पड़ा भारी, पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने ठोका 20 मिलियन का जुर्माना

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने तेज़ गेंदबाज नसीम शाह पर 20 मिलियन पाकिस्तानी रुपए का जुर्माना लगाया है। यह जुर्माना एक विवादित सोशल मीडिया पोस्ट के लिए लगाया गया है जिसमें उन्होंने पाकिस्तान सुपर लीग के उद्घाटन मैच में एक वरिष्ठ राजनीतिक हस्ती की मौजूदगी पर सवाल उठाया था। यह लीग पिछले सप्ताह बिना दर्शकों के शुरू हुई थी।

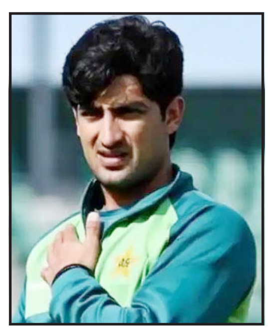

लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में पंजाब की मुख्यमंत्री मरियम नवाज उद्घाटन मैच में 'राजकीय अतिथि' के तौर पर शामिल हुई थीं। नवाज के साथ-साथ अन्य गणमान्य व्यक्तियों को भी मौजूदा चैंपियन लाहौर कलंदर्स और टूर्नामेंट में नई टीम हैदराबाद किंग्समेन के बीच मैच से पहले सभी आठ फ्रेंचाइज़ी के अधिकारियों और खिलाड़ियों से मिलवाया गया था। इस पर नसीम ने एक विवादित पोस्ट शेयर किया था।

नसीम ने 'X' (ट्विटर) पर पोस्ट किया, 'उन्हें लॉर्ड्स (क्रिकेट स्टेडियम) में किसी रानी की तरह क्यों ट्रीट किया जा रहा है?' इस टिप्पणी को बड़े पैमाने पर उस जगह पर नवाज के स्वागत की आलोचना के तौर पर देखा गया। पोस्ट पब्लिश होने के कुछ ही समय बाद उसे डिलीट कर दिया गया और बाद में तेज़ गेंदबाज़ ने दावा किया कि उनका अकाउंट हैक हो गया था जिससे इस मामले ने और तूल पकड़ लिया।

PCB ने तुरंत कार्रवाई करते हुए नसीम को आचार संहिता के आरोप में नोटिस जारी किया। नसीम ने बिना शर्त माफी मांगी और सोमवार को लाहौर में तीन सदस्यों वाली 'अनुशासनात्मक समिति' के सामने पेश हुए। अपने आधिकारिक बयान में PCB ने कहा कि नसीम को 'अपने सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट की कई शर्तों का उल्लंघन करते हुए पाया गया है।' बोर्ड ने आगे कहा कि खिलाड़ी ने अपने सोशल मीडिया सलाहकार की सेवाएं पहले ही समाप्त कर दी हैं। उस सलाहकार को भी PCB के अधिकार क्षेत्र में आने वाले किसी भी क्रिकेटर के साथ काम करने से 'ब्लैकलिस्ट' कर दिया जाएगा।

हॉर्मुज स्ट्रेट पार कर एलपीजी जहाज भारत पहुंचे, ऊर्जा आपूर्ति सुरक्षित : एमईए

नई दिल्ली (एजेंसी)।

विदेश मंत्रालय (एमईए) ने कहा कि हॉर्मुज स्ट्रेट पार करके एलपीजी से लदे हुए चार जहाज भारत पहुंच चुके हैं। साथ ही भरोसा दिलाया कि सरकार अपने जहाजों की सुरक्षित आवाजाही के लिए संबंधित देशों के संपर्क में है, ताकि देश की ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा किया जा सके।

नई दिल्ली में एक साप्ताहिक मीडिया ब्रीफिंग में एमईए प्रवक्ता रणधीर जयसवाल ने कहा कि भारत का अपनी ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने का दृष्टिकोण 1.4 अरब लोगों की जरूरतों को सुरक्षित करने की अनिवार्यता, बाजार की गतिशीलता और वैश्विक स्थिति पर आधारित है।

जब उनसे पूछा गया कि स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज से भारत के कितने जहाज आए हैं। इस पर जायसवाल ने कहा, हमने आपको उन भारतीय जहाजों की जानकारी दी है जो अब तक स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज को पार कर चुके हैं। हमारे पास चार जहाज थे, वे एलपीजी से लदे हुए थे। वे भारत पहुंच चुके हैं। वे कुछ दिन पहले स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज को सुरक्षित रूप से पार कर चुके हैं। हम सभी संबंधित देशों के संपर्क में बने हुए हैं, ताकि हमारे जहाजों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित हो सके और हमारी ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा किया जा सके।पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष ने क्षेत्रीय स्थिरता और वैश्विक ऊर्जा बाजारों पर चिंता बढ़ा दी है। खासकर स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज के रणनीतिक महत्व के कारण, जो एक प्रमुख तेल परिवहन मार्ग है।

जब उनसे उन कुछ रिपोर्टों के बारे में पूछा गया, जिनमें दावा किया गया था कि भारत ने रूस से एलपीजी या एलएनजी आयात करने के लिए अमेरिका से मंजूरी मांगी थी, तो जायसवाल ने जवाब दिया, आप हमारी ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के हमारे व्यापक दृष्टिकोण से अच्छी तरह परिचित हैं। यह हमारे लोगों की जरूरतों को सुरक्षित करने की हमारी अनिवार्यता, बाजार की गतिशीलता और वैश्विक स्थिति पर आधारित है।

सरकार के इस बड़े फैसले से बदल गया सब्सिडी का पूरा गणित

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में इलेक्ट्रिक वाहनों की बढ़ती डिमांड के बीच केंद्र सरकार ने आम आदमी की जेब से जुड़ा एक बेहद अहम फैसला लिया है। अगर आप भी नया इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर या थ्री-व्हीलर खरीदने का मन बना रहे हैं, तो यह खबर आपके लिए ही है। सरकार ने इलेक्ट्रिक वाहनों पर मिलने वाली सब्सिडी की समय सीमा को तो बढ़ा दिया है, लेकिन इसके साथ ही एक ऐसा पेंच भी फंसा दिया है जिसका सीधा असर आपकी बचत पर पड़ेगा। आइए आसान भाषा में समझते हैं कि सरकार के इस नए फैसले से आपको फायदा होने वाला है या फिर आपकी जेब पर कैंची चलने वाली है।क्करू श्व-ष्ठह्म्द्ब1द्ग स्कीम की मियाद बढ़ी, जानिए नई डेडलाइनभारी उद्योग मंत्रालय द्वारा जारी किए गए नए नोटिफिकेशन के मुताबिक, प्राइम मिनिस्टर इलेक्ट्रिक ड्राइव रेवोल्यूशन इन इनोवेटिव व्हीकल इन्हैंसमेंट (क्करू श्व-ष्ठह्म्द्ब1द्ग) योजना के तहत मिलने वाली सब्सिडी का दायरा अब बढ़ा दिया गया है। जो योजना पहले 31 मार्च 2026 को खत्म होने वाली थी, अब उसका फायदा आगे भी मिलता रहेगा। नए नियमों के अनुसार, अब इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर खरीदने वालों को 31 जुलाई 2026 तक और इलेक्ट्रिक थ्री-व्हीलर के ग्राहकों को 31 मार्च 2028 तक सब्सिडी का लाभ दिया जाएगा। सरकार के इस कदम का मुख्य उद्देश्य देश भर में इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री को तेज रफ्तार देना और चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करना है। अक्टूबर 2024 में शुरू हुई इस पूरी स्कीम के लिए सरकार ने 10,900 करोड़ रुपये का भारी-भरकम बजट तय किया है।समय सीमा बढ़ी लेकिन घट गई सब्सिडी की रकम, ग्राहकों को लगा झटकासरकार ने मियाद बढ़ाकर ग्राहकों को राहत तो दी है, लेकिन दूसरी तरफ सब्सिडी की रकम में बड़ी कटौती कर दी है। 1 अप्रैल 2025 से इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर पर मिलने वाली सब्सिडी को घटाकर 2,500 रुपये प्रति kWh कर दिया गया है, जिसकी अधिकतम सीमा अब मात्र 5,000 रुपये रह गई है। आसान शब्दों में कहें तो पहले जहां ग्राहकों को कम से कम 10,000 रुपये तक की सीधी छूट मिल जाती थी, वहीं अब उन्हें सिर्फ 5,000 रुपये के फायदे से ही संतोष करना पड़ेगा। इसी तरह इलेक्ट्रिक थ्री-व्हीलर पर भी कैंची चलाई गई है। अब इस पर अधिकतम सब्सिडी 12,500 रुपये मिलेगी, जो पहले 25,000 रुपये तक हुआ करती थी। दरअसल, सरकार धीरे-धीरे सब्सिडी को पूरी तरह खत्म करने की योजना पर काम कर रही है, जिसकी वजह से यह कटौती की गई है।अब तक लाखों लोगों ने उठाया फायदा, कंपनियों को भी मिला रिफंडयोजना की सफलता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि अब तक लाखों लोग इसका सीधा फायदा उठा चुके हैं। 27 जनवरी 2026 तक के आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, इस योजना के तहत 22.12 लाख से ज्यादा इलेक्ट्रिक वाहन बिक चुके हैं, जिनमें 19.19 लाख से अधिक टू-व्हीलर शामिल हैं। इसके एवज में वाहन निर्माता कंपनियों को सरकार की ओर से 1,703 करोड़ रुपये की सब्सिडी भी जारी की जा चुकी है। वहीं, भारी उद्योग मंत्रालय ने 5 फरवरी 2026 तक कंपनियों को उन वाहनों पर दी गई छूट के बदले 1,182.32 करोड़ रुपये की राशि वापस की है, जो 1 अप्रैल 2024 के बाद रजिस्टर्ड हुए थे।इलेक्ट्रिक बसों और चार्जिंग स्टेशनों का बिछेगा जालइस योजना का फोकस सिर्फ छोटे वाहनों तक सीमित नहीं है, बल्कि सार्वजनिक परिवहन और चार्जिंग नेटवर्क को भी विश्वस्तरीय बनाना है। सरकार ने बड़े शहरों में 14,028 इलेक्ट्रिक बसें चलाने का लक्ष्य रखा है, जिन पर 4,391 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। इसमें दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु और अहमदाबाद जैसे महानगर शामिल हैं। इसके साथ ही ईवी मालिकों की सुविधा के लिए देशभर में 88,500 चार्जिंग स्टेशन लगाने की तैयारी जोरों पर है, जिनमें फास्ट चार्जर से लेकर टू-व्हीलर और थ्री-व्हीलर के लिए विशेष चार्जिंग पॉइंट तक शामिल हैं।

कलम लोक
बक्सर, मंगलवार 31 मार्च 2026

Website : www.kalamlok.com

संपादकीय

और कितना करें भरोसा?

डॉनल्ड ट्रंप प्रशासन पर भरोसा करना कठिन होता चला गया है। वह ना तो द्विपक्षीय वार्ता के दौरान बनी सहमतियों पर कायम रहता है, और ना ही यह भरोसा रहता है कि वार्ता जारी रहने के दौरान वो कोई कार्रवाई नहीं करेगा। भारत (एवं कुछ अन्य देशों) के खिलाफ अपने व्यापार कानून की धारा 301 के तहत जांच फिर शुरू करने का अमेरिका का फैसला सीधे तौर पर उस विश्वास पर चोट है, जिसके आधार पर द्विपक्षीय व्यापार समझौते के लिए वार्ता चल रही है। अमेरिका का ट्रंप प्रशासन पहले ही व्यापार के सभी मान्य कायदों को तोड़ चुका है। उसने एकतरफा टैरिफ युद्ध छेड़ कर भारत जैसे देशों पर दबाव बनाया। साफ है, उस कारण शुरू हुई व्यापार वार्ता में जो सहमतियां बनीं, वह उस पर भी कायम नहीं है। चूंकि अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने मनमाना टैरिफ लगाने के राष्ट्रपति के अधिकार को संकुचित कर दिया, तो अब ट्रंप ने विभिन्न देशों को घेरने का नया हथकंडा अपनाया है। भारत सहित 60 देशों के खिलाफ उसने यह जांच शुरू की है कि क्या उन देशों से अमेरिका में होने वाले उत्पादों को तैयार करने में जबरिया मजदूरी का इस्तेमाल किया जाता है। साथ ही कुछ क्षेत्र में कथित ओवर कैपिसिटी और अति उत्पादन जैसी संभावनाओं की जांच भी शुरू की गई है। अपने कानून के तहत अपने अधिकारियों द्वारा की गई जांच में जिन देशों को दोषी पाया जाएगा, ट्रंप प्रशासन उन पर टैरिफ या प्रतिबंध लगा सकेगा। आर्थिक शब्दावली में ऐसे कदमों को गैर-व्यापार रुकावटें माना जाता है। मुक्त व्यापार के दौर में एकतरफा ढंग से डाली गई ऐसी रुकावटों का कोई तर्क नहीं हो सकता। दरअसल, डॉनल्ड ट्रंप प्रशासन का रुख ऐसा है कि उसकी जुबान पर भरोसा करना लगातार कठिन होता चला गया है। वह ना तो द्विपक्षीय वार्ता के दौरान बनी सहमतियों पर कायम रहता है, और ना ही यह भरोसा किया जा सकता है कि वार्ता जारी रहने के दौरान वो कोई कार्रवाई नहीं करेगा। जबकि अंतरराष्ट्रीय सहमति, समझौते और व्यवहार में जो चीज सबसे अहम होती है, वह विश्वसनीयता ही है। इसलिए उचित होगा कि भारत अमेरिका के साथ जारी व्यापार वार्ता से बाहर निकल आए। या वार्ता जारी रखने के लिए कम-से-कम 301 जांच को खत्म करने की शर्त लगाए। भारत पहले ही अत्यधिक रियायतें दे चुका है। अब चुप रहना आत्म-सम्मान को तिलांजलि देना होगा।

"खाड़ी देशों के युद्ध के भयानक परिणाम न केवल संबंधित क्षेत्र के लोगों को, बल्कि दुनिया के सभी देशों के लोगों को भुगतने होंगे। यह प्रक्रिया बड़े स्तर पर शुरू भी हो चुकी है। अमरीका-इसराईल ने बिना किसी उकसावे या उचित कारण के ईरान पर हमला बोल दिया। युद्ध छेड़ने का बहाना बेशक ईरान के पास मौजूद परमाणु हथियारों के भंडारों से अमरीका-इसराईल को संभावित खतरे का बनाया गया है, पर अब न केवल दुनिया भर के लोगों, बल्कि अमरीका के भीतर राष्ट्रपति के करीबी मित्रों ने भी यह बात खुलेआम स्वीकार कर ली है कि ईरान से अमरीका को कोई खतरा नहीं था। सब जानते हैं कि डोनाल्ड ट्रम्प ने यह युद्ध अपने चहेते इसराईली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की उत्तेजना भरी सलाहों से शुरू किया है।"

खाड़ी देशों के युद्ध के परिणाम और भारत की स्थिति

अमरीकी राष्ट्रपति की तमाम धमकियों के बावजूद 'नाटो' के सांझेदार देशों ने अमरीका का साथ देने और इस युद्ध में शामिल होने से साफ इंकार कर दिया है। इससे भी आगे, कमाल की बात यह पता चली है कि ट्रम्प ने यह युद्ध अमरीकी संसद से आवश्यक मंजूरी लेने की बजाय, अपने दामाद, बेटी, बेटे और एक मित्र की सलाह पर छेड़ा है। जब दुनिया के सबसे शक्तिशाली समझे जाने वाले देश अमरीका की कमान ट्रम्प जैसे मूर्ख के हाथ में हो, तो दुनिया के लोग शांति से मिल-जुल कर रहने के बारे में कैसे सोच सकते हैं?

इस युद्ध से दुनिया भर के देशों की बहुसंख्यक आबादी को खाद्य वस्तुओं की भारी कमी, तेल-गैस और इससे संबंधित वस्तुओं की कीमतों में भारी वृद्धि, महंगाई और बेरोजगारी जैसी मुश्किलों का सामना करना पड़ेगा। युद्ध के कारण हजारों बेगुनाहों की मौतें (इनमें ईरान के स्कूल में पढने वाली सैंकड़ों छोटी बच्चियां भी शामिल हैं), मानवीय और प्राकृतिक संसाधनों की भारी तबाही और पर्यावरण में फैल रहा जहर पूरी मानवता के लिए जी का जंजाल बनेगा। इस युद्ध ने दुनिया के सारे कायदे-कानून ताक पर रखकर किसी भी स्वतंत्र और संप्रभु राष्ट्र (जैसे इराक और वेनेजुएला) पर हमला करके कब्जा करने की अमरीका की लालसा को भी उजागर किया है।

इस युद्ध ने भारत की मोदी सरकार द्वारा अमरीकी साम्राज्यवाद के साथ की गई रणनीतिक सांझेदारियों के परिणामस्वरूप अपनाई गई वर्तमान विदेश नीति का दुनिया भर में दीवाला निकाल दिया है। भारत ने 2 सैन्य गुटों ('नाटो' और 'वारसा') से अलग रहकर गुटनिरपेक्ष देशों का सांझा मंच खड़ा करने में बहुमूल्य योगदान दिया था। परंतु अब भारत ने डटकर ईरान के साथ खड़े होने की बजाय अमरीका-इसराईल युद्धबाज गुट का पक्ष लिया है। डोनाल्ड ट्रम्प ने पिछले समय में प्रधानमंत्री मोदी और भारत के लोगों का ऐसा मजाक उड़ाया, जिसे कोई भी स्वाभिमानी स्वतंत्र देश कतई बर्दाश्त नहीं कर सकता। इससे दुनिया भर में भारतीय राजनेताओं की नपुंसक राजनीति भी बेपर्दा हुई है। प्रधानमंत्री मोदी ने ट्रम्प के इन अपमानजनक बयानों के खिलाफ अपनी जुबान से एक शब्द तक नहीं बोला। भारत के निमंत्रण पर नौसेना के अभ्यास में हिस्सा लेने आए ईरान के समुद्री जहाज में सवार 97 सैनिकों को अमरीकी सेनाओं द्वारा हमला करके तब मार दिया गया, जब वे अपने देश ईरान वापस लौट रहे थे। अमरीका की इस अत्यंत निंदनीय कार्रवाई की निंदा करना तो दूर, भारत द्वारा सैनिकों की मौत पर शोक का औपचारिक प्रकटीकरण तक नहीं किया गया।

अमरीका के साथ मोदी सरकार की दोस्ती का 'परिणाम' भारत-अमरीका के बीच होने वाले 'मुक्त व्यापार समझौते' में भारत के लिए कई प्रतिकूल शर्तें स्वीकार किए जाने के भयानक नतीजे भारत के किसानों, छोटे और मध्यम श्रेणी के उद्योगपतियों और व्यापारियों की तबाही के रूप में सामने आने वाले हैं। स्पष्ट है कि अमरीका अपने किसानों को भारी सबसिडी देकर तैयार की गई कृषि वस्तुएं जैसे मक्का, सोयाबीन का तेल, फल, सूखे मेवे आदि भारतीय बाजार में उतारकर हमारी किसानी को खेती से बाहर कर देने की तैयारियां किए बैठा है। हमारा देश साम्राज्यवादी गुलामी के 'नव-उपनिवेशवादी' दौर में पहुंचने जा रहा है, जहां सरकार तो भारतीय लोगों की ही होगी, परंतु आर्थिक नीतियां, व्यापारिक और राजनीतिक फैसले अमरीका की मंजूरी से ही लिए जाएंगे। इसकी ताजा मिसाल खाड़ी युद्ध के दौरान ऊर्जा की कमी के मद्देनजर अमरीका द्वारा बड़े अहंकारी ढंग से भारत को सिर्फ 30 दिनों के लिए रूस से तेल खरीदने की इजाजत दिए जाने से मिलती है। ड्क्षचता इस बात की है कि भारत को साम्राज्यवादी देश अमरीका और इसके सांझेदारों द्वारा बनाए गए आर्थिक और राजनीतिक 'चक्रव्यूह' से बाहर निकलने के लिए हमें आजादी की एक और जंग लडनी पड़ सकती है। यह जंग 1947 में प्राप्त की गई आजादी के लिए लड़े गए लंबे राष्ट्रीय मुक्ति संग्राम की तुलना में कहीं अधिक कठिन और खतरनाक होगी।

ईरान पर ट्रम्प की घोषणा को कैसे लें?

ईरान से जारी युद्ध के बीच अमरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के ट्रुथ सोशल पर तत्काल हमले रोकने और बातचीत के पोस्ट से दुनिया में हलचल मच गई। ट्रम्प का पोस्ट सामने आने के साथ ईरान का किसी प्रकार की बातचीत से इंकार करने का बयान कई प्रश्न खड़ा करता है। इस तरह के पोस्ट से सहसा यह संदेश जाएगा ही कि अमरीका ने युद्ध रोक दिया है और बातचीत इस अवस्था में पहुंची है कि युद्धविराम हो जाएगा। किंतु पोस्ट के बावजूद अमरीका की ओर से ईरान पर हमले हो रहे हैं और दोनों लड़ रहे हैं।

इस पोस्ट में युद्धविराम शब्द का उल्लेख नहीं है। ध्यान रखिए, इसमें केवल बिजली व ऊर्जा प्रतिष्ठान पर हमले न करने की बात है। दूसरे, इसमें मध्य-पूर्व में दुश्मनी खत्म करने का न्यूनतम अर्थ इसराईल राष्ट्र को औपचारिक रूप से स्वीकार करना या मान्यता देना, यरुशलम को उसकी राजधानी मानना तथा अरब देशों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। ये कितने कठिन हैं, बताने की आवश्यकता नहीं। 1979 की इस्लामी क्रांति के बाद से ही इसका बड़ा लक्ष्य इसराईल का राष्ट्र के रूप में अस्तित्व समाप्त करना है। क्या इस्लामिक राज्य अपने लक्ष्य को छोड़ देगा? क्या यरूशलम पर कब्जा और अल अक्सा मस्जिद को इस्लामी शासन के अंतर्गत लाने के उद्देश्य का परित्याग कर देगा? शिया इस्लामी देश को सर्व शक्तिशाली यानी हर स्तर की सैन्य शक्ति को विस्तारित करने की प्रक्रिया पर विराम लगा देगा? ट्रम्प प्रशासन की ओर से दिया गया 15 सूत्री प्रस्ताव इसी की पुष्टि करता है। इसे स्वीकार करने का मतलब होगा कि ईरान इसराईल केंद्रित अपनी सभी गतिविधियां समाप्त करेगा तथा न्यूक्लियर कार्यक्रम एवं सैन्य शक्ति के लिए अमरीका की इच्छा अनुसार ही आगे काम कर पाएगा।

कुछ विश्लेषकों का मत है कि ट्रम्प पर आंतरिक दबाव है क्योंकि युद्ध के खर्चे से अर्थव्यवस्था पर उल्टा प्रभाव हो रहा है। चूंकि युद्ध संपूर्ण विश्व को दुष्प्रभावित कर रहा है, इसलिए अधिकतर देश इसका अंत चाहते हैं। अमरीका में लोगों को संदेह है कि ट्रम्प आगे टैक्स लगाएंगे और महंगाई बढ़ेगी। उन्होंने अमरीकी कांग्रेस से 200 अरब डॉलर की मांग की है। ट्रम्प प्रशासन का कहना है कि यह युद्ध के लिए नहीं, पहले से प्रस्तावित है और पूरक है। लेकिन दबाव अमरीका पर होगा, ईरान पर नहीं, यह तर्क हास्यास्पद है। डेढ़ दर्शक से ज्यादा के प्रतिबंधों के कारण ईरान की अर्थव्यवस्था खस्ताहाल है। हमलों से पूर्व ईरान की ध्वस्त अर्थव्यवस्था और बढ़ती महंगाई ने शासन के विरुद्ध असंतोष को इतना बढ़ा दिया था कि भारी संख्या में लोग सड़कों पर उतर कर सत्ता बदलने की मांग कर रहे थे। इनको अयातुल्ला के आदेश से निर्ममता से कुचला गया था। इसलिए ईरान दबाव मुक्त होकर लंबे समय तक युद्ध करता रहेगा, ऐसा निष्कर्ष उनका होगा जो यथार्थ को नहीं समझते या समझकर भी अनदेखी करते हैं।

युद्ध ने ईरान द्वारा विनाशकारी हथियारों के निर्माण और मिसाइल कार्यक्रम को अनुमान से काफी अधिक विस्तार के आरोपों को सही साबित किया है। अगर वह डिएगो गार्सिया में 4000 किलोमीटर से ज्यादा तक मिसाइल हमले कर सकता है तो इसका अर्थ है ईरान के शस्त्रास्त्रों को लेकर जो अनेक रक्षा विश्लेषक अमरीका को झूठा साबित करने की कोशिश कर रहे थे वे सही नहीं थे। इस दृष्टि से भी अमरीका के लिए उसको कमजोर करना अपरिहार्य हो गया है अन्यथा अरब देश भी रक्षा के लिए नाभिकीय हथियारों की सीमा तक जाने की कोशिश कर सकते हैं। इसराईल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतान्याहू ने ट्रम्प के पोस्ट के 3 दिन पहले कहा था कि उनका युद्ध अमरीका से अलग है। इसका अर्थ है कि अमरीका कभी हमले रोकने या युद्ध न करने की घोषणा कर दे तो भी इसराईल उसका अनुपालन करने को बाध्य नहीं है।

वैसे डोनाल्ड ट्रम्प ने यह भी नहीं बताया कि किस ईरानी नेता से बातचीत हो रही है। उन्होंने कहा कि वार्ताकार एक 'शीर्ष व्यक्ति' हैं, जो उस देश में 'सबसे सम्मानित' हैं। उन्होंने पश्चिम एशिया के लिए विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और जेरेड कुशनर का नाम वार्ताकार के रूप में लिया। ईरान बातचीत से इंकार कर रहा है लेकिन संभव है पर्दे के पीछे कुछ संपर्क हुआ हो। सूचना है कि पाकिस्तान के फील्ड मार्शल असीम मुनीर और प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने ईरान के राष्ट्रपति के साथ बातचीत की है। पाकिस्तान की हैसियत किसी मामले में प्रभावकारी भूमिका निभाने की नहीं हो सकती। पाकिस्तान ईरान को मना लेगा यह सोचना ही हास्यास्पद है।

मुख्य बात है कि आखिर अमरीकी हमले का लक्ष्य क्या था? पहला, अयातुल्ला खामेनेई सहित शीर्ष नेतृत्व को समाप्त करना। इसमें काफी हद तक सफलता मिली। दूसरा, सैन्य और आर्थिक दृष्टि से कमर तोडऩा। ईरान की सैन्य शक्ति उससे ज्यादा है, जितना आकलन किया गया था। तो इस लक्ष्य की प्राप्ति अभी कठिन है किंतु आंशिक रूप से हुई है। तीसरा लक्ष्य सत्ता परिवर्तन करना था जो अभी संभव नहीं दिख रहा। इस्लाम के लिए जीने मरने की भावना इसकी शक्ति है। अमरीका तथा इसराईल अभी इस लक्ष्य की ओर शायद ही बढ़ें। किंतु वे सत्ता को इतना दुर्बल अवश्य बनाना चाहेंगे ताकि आंतरिक विद्रोह के कारण परिवर्तन की संभावना सशक्त हो और उसमें उनकी भूमिका हो। इसे समझने वालों का निष्कर्ष यही होगा कि ट्रम्प के पोस्ट को एकाएक युद्ध रोकने के रूप में नहीं लिया जाए। संभव है उनकी रणनीति हो।

धुरंधर 2 के बाद सारा अर्जुन के हाथ लगी नई फिल्म

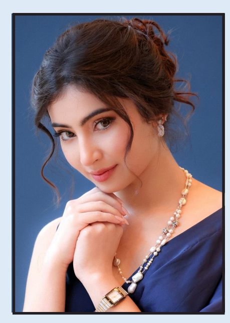

रणवीर सिंह की धुरंधर फ्रैंचाइजी में नजर आईं अभिनेत्री सारा अर्जुन खूब चर्चा बटोर रही हैं। फिलहाल 19 मार्च को धुरंधर 2 सिनेमाघरों में रिलीज हुई है जिसे दर्शकों की शानदार प्रतिक्रिया मिल रही है। इस बीच, एक रिपोर्ट में पता चला है कि धुरंधर 2 के बाद, सारा के हाथ एक नई परियोजना लगी है। इस खबर ने फैंस के बीच उत्साह पैदा कर दिया है। बताया जाता है कि इसमें उन्हें ईशान खट्टर के अपोजिट देखा जाएगा।

के मुताबिक, टाइगर बेबी द्वारा समर्थित आगामी परियोजना में ईशान और सारा साथ काम कर रहे हैं। हाल ही में, परियोजना की शूटिंग की कुछ झलकियां सोशल मीडिया पर लीक हो गईं जिसके बाद से परियोजना की चर्चाओं ने जोर पकड़ लिया। दिलचस्प बात यह है कि निर्माता जोया अख्तर ने इसी दौरान एक रहस्यमयी पोस्ट साझा किया। लोगों का मानना है कि यह पोस्ट इसी परियोजना से जुड़ा होगा। हालांकि अभी तक आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। रिपोर्ट के मुताबिक, परियोजना का निर्देशन अर्जुन वरैन सिंह कर रहे हैं जो पहले फिल्म खो गए हम कहां बना चुके हैं। फिलहाल, परियोजना से जुड़ी ज्यादा जानकारी अभी सामने नहीं आई है। यह फिल्म होगी, सीरीज होगी या कुछ और, यह भी फिलहाल स्पष्ट नहीं हुआ है। दोनों कलाकारों के काम पर नजर डालें, तो ईशान को आखिरी बार फिल्म होमबाउंड में देखा गया था। वहीं सारा इस वक्त धुरंधर 2 की तूफानी सफलता का जश्न मना रही हैं।

घर पर आसानी से मांसपेशियों को मजबूत करने के लिए अपनाएं ये सरल तरीके

मांसपेशियों का विकास एक ऐसी प्रक्रिया है, जो न केवल शारीरिक ताकत को बढ़ाता है, बल्कि आत्मविश्वास को भी मजबूत करता है। अगर आप जिम जाने का समय नहीं निकाल पा रहे हैं, तो घर पर ही कुछ आसान कसरतों को अपनाकर आप मांसपेशियों का विकास कर सकते हैं। यहां हम आपको कुछ ऐसी कसरतों के बारे में बताने जा रहे हैं, जो रोजमर्रा की जिंदगी में आसानी से की जा सकती हैं।

पुश-अप्स से होगा फायदा

पुश-अप्स एक ऐसी कसरत है, जो आपके पूरे शरीर की मांसपेशियों को मजबूत बनाती है। इसे करने के लिए सबसे पहले जमीन पर पेट के बल लेटें और अपने दोनों हाथों पर वजन डालते हुए शरीर को ऊपर-नीचे करें। इस दौरान ध्यान रखें कि आपका शरीर एक सीध में हो। यह कसरत न केवल छाती, कंधे और हाथों की मांसपेशियों को मजबूत करती है, बल्कि पेट की मांसपेशियों को भी टोन करती है।

स्क्वाट्स भी है प्रभावी

स्क्वाट्स आपके पैरों और पीठ की मांसपेशियों को मजबूत बनाने में मदद कर सकती है। इसके लिए सबसे पहले सीधे खड़े हो जाएं और फिर घुटनों को मोड़ते हुए ऐसे बैठें, जैसे कि कुर्सी पर बैठने वाले हों। इसके बाद धीरे-धीरे नीचे झुकते हुए खड़े हो जाएं। यह प्रक्रिया बार-बार दोहराएं। स्क्वाट्स करने से आपके पैरों की ताकत बढ़ेगी और पीठ की मांसपेशियां भी मजबूत होंगी, जिससे आपकी शारीरिक स्थिति बेहतर होगी।

प्लैंक आजमाएं

प्लैंक एक बेहतरीन कसरत है, जो आपके पूरे शरीर को चुनौती देती है और मांसपेशियों को मजबूत बनाती है। इसके लिए सबसे पहले जमीन पर पेट के बल लेटकर अपने दोनों हाथों को घुटनों के ऊपर रखें और पंजों पर वजन डालते हुए शरीर को सीधा रखें। इस अवस्था में जितनी देर हो सके उतनी देर टिके रहें।

सत्ता बदलने के लक्ष्य से हमला

पुरानी कहावत है कि 'चुनाव से पहले, युद्ध के दौरान और शिकार के बाद सबसे ज्यादा झूठ बोले जाते हैं'। सो, ईरान में युद्ध चल रहा है और झूठ की चौतरफा बौछार हो रही है। अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने पेंटागन में प्रेस ब्रीफिंग में कहा कि युद्ध अमेरिका ने शुरू नहीं किया लेकिन इसे खत्म अमेरिका करेगा। हालांकि सारी दुनिया ने देखा कि अमेरिका और इजराइल ने दिन दहाड़े हमले की शुरुआत की और एक संप्रभु देश के सर्वोच्च नेता को मार डाला। दूसरी ओर अमेरिका से ही एक रिपोर्ट आई है, जिसमें कहा गया है कि पेंटागन ने कांग्रेस की समिति के सामने कहा है कि उनके पास कोई खुफिया सूचना नहीं थी कि ईरान हमला करने जा रहा है। इसका अर्थ है कि कांग्रेस के सामने पेंटागन की ओर से कुछ और कहा जा रहा है और पेंटागन के प्रमुख मीडिया के सामने कुछ और कह रहे हैं!

इसी तरह राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि अभी तो हमला शुरू हुआ है। उन्होंने कहा कि अमेरिका अभी सबसे बड़ा हमला करेगा और उधर पेंटागन से खबर है कि वहां के चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ से लेकर तमाम रक्षा जानकार इस बात की चिंता में हैं कि अमेरिका के मिसाइल और हथियारों का भंडार तेजी से खत्म होता जा रहा है। अमेरिकी रक्षा क्षेत्र में यह चिंता इसलिए है क्योंकि जितनी तेजी से मिसाइल और दूसरे हथियार खर्च हो रहे हैं उतनी तेजी से उन्हें बनाया नहीं जा सकता है। इस चिंता का एक पहलू यह भी है कि अगर युद्ध का कोई नया मोर्चा खुला या उत्तर कोरिया और चीन की ओर से कुछ हुआ, जिसका जवाब अमेरिका को देना पड़े तो क्या होगा? लेकिन ट्रंप सबसे बड़े हमले की बात कर रहे हैं। ऐसे ही राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि जरुरत पड़ी तो वे अमेरिकी सेना को ईरान की जमीन पर उतारेंगे। उन्होंने कहा कि वे पिछले राष्ट्रपतियों की तरह नहीं हैं, जिन्होंने हमेशा जमीनी सेना उतारने से इनकार किया। ट्रंप ने यह ऐसी बात कही है, जिस पर किसी को यकीन नहीं होगा। ईरान में जमीनी सैनिक उतारना अमेरिका के लिए बहुत मुश्किल वाला फैसला होगा। इसका कारण यह है कि ईरान में उसके पास कोई जमीनी सपोर्ट सिस्टम नहीं है। दूसरे, ईरान के पास 11 लाख से ज्यादा की संख्या वाली बहुत व्यवस्थित सेना है, जिसमें दो लाख आईआरजीसी के प्रशिक्षित कमांडो जैसे सैनिक हैं। तीसरे, ईरान नौ करोड़ से ज्यादा आबादी वाला देश है। चौथे, उसकी भोगोलिक सीमाएं बहुत विशाल हैं। वह इजराइल से 70 गुना बड़े क्षेत्रफल वाला देश है। पांचवें, ईरान में लंबी लंबी पहाड़ों की श्रृंखलाएं हैं और दुर्गम क्षेत्र बहुत बड़ा है। सोचें, गाजा जैसे छोटे से इलाके में दो साल से युद्ध चल रहा है, जिसमें 70 हजार लोग मारे गए हैं फिर भी इजराइल जीत नहीं पाया है, जबकि गाजा एक ऐसा जमीन का टुकड़ा है, जो इजराइल और मेडिटेरेनियन समुद्र के बीच दबा हुआ है। जब वहां दो साल से लड़ाई खत्म नहीं हो रही है तो ईरान जैसे विशाल और बड़ी आबादी वाले देश में कैसे अमेरिका जमीन पर सैनिक उतारेगा? सो, ऐसा लग रहा है कि यह झूठ भी ईरान की फौज को डराने और लोगों को बगावत के लिए उकसाने के मकसद से बोला गया है। बहरहाल, यह इतिहास का संभवत: पहला युद्ध होगा, जो वार्ता विफल होने की वजह से नहीं, बल्कि वार्ता सफल होने की वजह से लड़ा जा रहा है। ईरान और अमेरिका की वार्ता में मध्यस्थता कर रहे ओमान के विदेश मंत्री बदर बिन हमाद अल बुसैदी ने 28 फरवरी को कहा कि दोनों देशों के बीच वार्ता अंतिम दौर में है और समझौते का लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि ईरान यह गारंटी देने को तैयार हो गया है कि वह कभी भी परमाणु बम नहीं बनाएगा। साथ ही वह इस बात के लिए भी तैयार हो गया है कि इंटरनेशनल एटॉमिक एनर्जी एजेंसी यानी आईएईए की टीम उसके परमाणु ठिकानों का दौरा करके जांच कर ले। लेकिन बुसैदी के यह कहने के तुरंत बाद अमेरिका और इजराइल ने साझा हमला शुरू कर दिया। याद करें इसी तरह पिछले साल जून में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को 14 दिन का समय दिया था और तीसरे ही दिन हमला शुरू कर दिया था। फरवरी 2026 के हमले में गोलपोस्ट कैसे बदल रहा है यह देखना भी बहुत दिलचस्प है। पहले राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि ईरान के परमाणु ठिकानों को नष्ट करने के लिए हमला हुआ है। हालांकि यहां भी सवाल उठता है कि जब जून 2025 के हमलों के बाद राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि ईरान के परमाणु संयंत्रों को 'ओबलिटेरेट' कर दिया गया यानी नामोनिशान मिटा दिया गया तब फिर आठ महीने में ही परमाणु संयंत्र कैसे काम करने लगे। बहरहाल, युद्ध शुरू होने के बाद ट्रंप ने कहा कि इस्लामिक क्रांति के बाद बनी इस्लामिक रिपब्लिक की सत्ता बदलने के लक्ष्य से हमला किया गया है। यानी परमाणु ठिकानों को खत्म करना लक्ष्य नहीं है, बल्कि सत्ता बदलना लक्ष्य है।

अब पहला सवाल है कि सत्ता क्यों बदलनी है? इसका सीधा जवाब है कि अमेरिका को पश्चिम एशिया की भू राजनीतिक स्थितियों को हमेशा के लिए बदल देना है। उसे स्थिर सत्ता और सैन्य ताकत वाले इकलौते मजबूत देश ईरान को समाप्त करना है। सद्दाम हुसैन का इराक खत्म हो गया, गद्दाफी का लीबिया और असद का सीरिया भी समाप्त हो गया। अगर ईरान की इस्लामिक रिपब्लिक की सत्ता समाप्त हो जाती है तो पूरे पश्चिम एशिया में इजराइल इकलौती महाशक्ति बचेगा। ध्यान रहे अमेरिका ने पश्चिम एशिया के बाकी देशों का आर्थिक हित या तो अपने साथ जोड़ लिया है या इजराइल से जुड़वा दिया। सो, यह युद्ध एक बड़े लक्ष्य के लिए है, जिसे निश्चित रूप से इजराइल ने तय किया है। अब दूसरा सवाल है कि सत्ता कैसे बदलेगी? हवाई हमले में नेताओं को और कुछ सैनिक कमांडरों को मारा जा सकता है या इमारतें ध्वस्त की जा सकती हैं। सत्ता परिवर्तन तो उससे नहीं हो सकता है। सत्ता परिवर्तन के दो मॉडल हैं। या तो अमेरिका जमीनी फौज उतारे और ईरान के तमाम फौजी कमांडरों, गार्जियन कौंसिल के सदस्यों और धर्मगुरुओं को मार डाले या उनको बंधक बना कर वहां अपने समर्थन वाले किसी व्यक्ति को गद्दी पर बैठाए। इराक में उसने ऐसा किया था। दूसरा मॉडल लीबिया और सीरिया वाला है। इन देशों में पहले से सशस्त्र संघर्ष चल रहा था। सीरिया में तो 2012 से ही गृह युद्ध छिड़ा हुआ था। इसलिए वहां अमेरिका को अपनी फौज उतारने की जरुरत नहीं पड़ी थी।

फिर से मां बनीं एक्ट्रेस सोनम प्यारे से बेटे को दिया जन्म

बॉलीवुड एक्ट्रेस सोनम कपूर इस वक्त अपनी प्रेग्नेंसी को लेकर काफी सुर्खियों में हैं. अब सोनल के फैंस के लिए एक अच्छी खबर आई है. एक्ट्रेस ने एक प्यारे से बेटे को जन्म दिया है. कपल ने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर इस बात की जानकारी दी.

रांझणा और सांवरिया फेम एक्ट्रेस सोनम कपूर भले आज फिल्में पर्दे से दूर हों, लेकिन वो सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं. सोनम अपने खास पलों को इंस्टाग्राम पर शेयर करती हैं. जहां फैंस सोनम के बड़े पर्दे पर वापसी का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, इसी बीच एक्ट्रेस अपनी प्रेग्नेंसी को लेकर सुर्खियों में हैं. अब एक्ट्रेस ने फैंस को एक खुश खबरी दी है.एक्र्ट्रेस सोनम कपूर ने एक बेटे को जन्म दिया है. वो फिर से मम्मा बन गई हैं. एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करके इस बात की जानकारी फैंस के साथ शेयर की. सोनम और उनके पति आनंद आहूजा एक बार फिर से माता-पिता बन गए हैं.सोनम और आनंद ने 8 मई 2018 को धूमधाम से शादी की थी. आनंद आहूजा एक बिजनेसमैन हैं, जो 'शाही एक्सपोर्ट्स' और क्लोदिंग ब्रैंड 'Bhaane' के को-फाउंडर हैं. सोनम और आनंद के घर पहली बार साल 2022 को बेटे की खुशी आई, जहां एक्ट्रेस ने बेटे को जन्म दिया. दोनों ने मिलकर बच्चे का नाम वायू रखा था. अब एक बार फिर से ये कपल एक बेटे के माता-पिता बन गए हैं.

2018 में की थी शादी

ये एक स्टार-स्टडेड शादी थी, जिसमें कपूर परिवार के साथ-साथ बॉलीवुड के कई बड़े सितारे, जैसे कि शाहरुख खान, सलमान खान, करीना कपूर, सैफ अली खान, और करण जौहर शामिल हुए थे. सोनम कपूर ने लाल रंग का बेहद खूबसूरत लहंगा पहना था, जिसे अनुराधा वकील ने डिजाइन किया था, जबकि आनंद आहूजा ने पारंपरिक शेरवानी पहनी थी. दोनों की मुलाकात 2014 में हुई थी और कुछ समय तक डेटिंग करने के बाद, आनंद ने उन्हें प्रपोज किया था और फिर दोनों ने शादी कर ली.

ग्लोबल सफलता के बावजूद प्रियंका चोपड़ा को ऑनलाइन आलोचना का सामना करना पड़ रहा

ऐ से समय में जब हमें दुनिया भर में भारतीयों की कामयाबी पर गर्व होना चाहिए, सोशल मीडिया पर इस बात पर बहस चल रही है कि उन्हें नीचा दिखाने का ट्रेंड कितना सही है। बॉलीवुड स्टार से ग्लोबल आइकॉन बनीं प्रियंका चोपड़ा इस विवाद का केंद्र बन गई हैं। हाल ही में मिलान में हुए मशहूर बुलगारी ज्वेलरी इवेंट में प्रियंका ने अपने स्टाइल और ग्रेस से सबको इम्प्रेस किया। हालांकि, इवेंट के एक वीडियो के आधार पर कुछ नेटिज़न्स ने हॉलीवुड पॉप स्टार दुआ लिपा को यह कहते हुए ट्रोल करना शुरू कर दिया कि उन्हें इग्नोर किया गया। इन कमेंट्स से सोशल मीडिया पर बड़ी बहस छिड़ गई। सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर विश्वास वर्मा ने इस ट्रोलिंग पर कड़ी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, अगर कोई भारतीय विदेश में कामयाबी हासिल करता है, तो हमें उसे बढ़ावा देना चाहिए। लेकिन यह दुख की बात है कि हमारे नाती-पोते प्रियंका के लेवल पर सवाल उठा रहे हैं और उनकी बुराई कर रहे हैं। उन्होंने उन पैपराज़ी पेजों की भी बुराई की जो प्रियंका की तस्वीरों और वीडियो का इस्तेमाल करके और लाखों व्यूज़ कमाकर उनके बारे में बेइज्ज़ती करने वाले पोस्ट करते हैं, और कहा कि यह टॉक्सिक मेंटैलिटी की निशानी है। विश्वास वर्मा के कमेंट्स को अच्छा रिस्पॉन्स मिला। खास बात यह है कि खुद प्रियंका चोपड़ा को यह वीडियो पसंद आया। साथ ही, मशहूर एक्ट्रेस रवीना टंडन और हरलीन सेठी इस वीडियो के सपोर्ट में सामने आई हैं और ट्रोलिंग के खिलाफ खड़ी हुई हैं।प्रियंका चोपड़ा अभी बुलगारी ब्रांड की ग्लोबल एंबेसडर हैं। इसका मतलब है कि वह इवेंट में सिर्फ एक गेस्ट नहीं हैं, बल्कि ब्रांड का चेहरा हैं। वह एना हैथवे और जेक गिलेनहाल जैसे हॉलीवुड के टॉप स्टार्स के साथ एक ही स्टेज पर खड़ी थीं। फैंस का मानना ??है कि इतने बड़े कद के इंसान को अनजान दिखाना उनकी उपलब्धियों का अपमान है। 2015 में क्वांटिको से हॉलीवुड में डेब्यू करने वाली प्रियंका ने बाद में %बेवॉच%, %मैट्रिक्स% सीरीज़ और सिटाडेल जैसे प्रोजेक्ट्स से इंटरनेशनल पहचान बनाई। हाल ही में फिल्म द ब्लफ में उनकी परफॉर्मेंस को काफी पसंद किया गया। अभी अपने पति निक जोनास और बेटी माल्टी मैरी के साथ ₹ में रह रही प्रियंका दुनिया भर में भारतीयों का नाम रोशन कर रही हैं।

विक्रम साहिदेव लीड में 'अनकापल्ली' की धमाकेदार एंट्री

विक्रम साहिदेव, जो रुद्रमादेवी, रेस गुर्रम और ना पेरू सूर्या जैसी फिल्मों में अपने रोल के लिए जाने जाते हैं, अब लव-एक्शन ड्रामा अनकापल्ली के साथ लीड एक्टर के तौर पर लाइमलाइट में आ रहे हैं।खगेश तम्मिनेनी के डायरेक्शन में बनी इस फिल्म को नक्किना नैरेटिव्स और भव्य श्री मूवी मेकर्स के बैनर तले श्रीनाधा राव नक्किना और कंद्रेगुला नायडू ने सपोर्ट किया है, और कंद्रेगुला कुमार राजा को-प्रोड्यूसर हैं।हाल ही में रिलीज़ हुआ टीज़र अनकापल्ली की दुनिया की एक दमदार और गहरी झलक दिखाता है-जिसे एक ऊबड़-खाबड़ और बेरहम जगह के तौर पर दिखाया गया है जहाँ सिर्फ़ सबसे मज़बूत लोग ही ज़िंदा रहते हैं। साथ ही, यह इस कच्चेपन को इमोशनल गहराई के साथ बैलेंस करता है, एक ऐसी कहानी की ओर इशारा करता है जिसमें एक्शन के साथ दिल को छू लेने वाले पल भी हैं।विक्रम साहिदेव अपने दोहरे अंदाज़ से इम्प्रेस करते हैं-एक्शन सीक्वेंस में वे ज़बरदस्त और बेरहम दिखते हैं, जबकि रोमांटिक हिस्सों में उनका एक नरम, ज़्यादा कमज़ोर पहलू सामने आता है। संध्या वशिष्ठ स्क्रीन पर चार्म और अपनापन लाती हैं, जबकि तारक पोनप्पा एक खतरनाक विलेन के तौर पर इंटेंसिटी जोड़ते हैं। इंटरेस्टिंग बात यह है कि श्रीनाधा राव नक्कीना ने न सिर्फ कहानी और स्क्रीनप्ले लिखा है, बल्कि स्क्रीन पर हीरो के पिता के रोल में भी दिखते हैं, साथ ही इंद्रजा, जो मां का रोल करती हैं।डायरेक्टर खगेश तम्मिनेनी ने एक्शन और इमोशन के बीच अच्छा बैलेंस बनाया है।

मां बनने के बाद बदली आलिया की सोच

बेटी के लिए आलिया भट्ट ने लिया सद्गुरु का मार्गदर्शन

साधगुरु ने आलिया को जो सबसे अहम बात बताई, वह थी– अगर आप हमेशा चिंता में रहेंगे, तो आप अपने बच्चे के लिए सही माहौल नहीं बना पाएंगे।उनके मुताबिक, पैरेंटिंग का मतलब सिर्फ बच्चे की सुरक्षा करना नहीं, बल्कि उसे एक स्वस्थ और सकारात्मक वातावरण देना भी है। उन्होंने समझाया कि माता-पिता की मानसिक स्थिति का सीधा असर बच्चे पर पड़ता है, इसलिए शांत और संतुलित रहना बेहद जरूरी है। सद्गुरु की इस सीख के बाद आलिया ने तय किया है कि वह राहा की परवरिश में ज्यादा सहज और संतुलित रवैया अपनाएंगी। अब वह हर छोटी बात को लेकर ओवरथिंक करने के बजाय चीजों को नेचुरल तरीके से लेने की कोशिश करेंगी। उनका मानना है कि बच्चों को अपने अनुभवों से सीखने देना भी उतना ही जरूरी है, जितना उन्हें सही दिशा दिखाना।
काम और परिवार के बीच संतुलन की चुनौती

मां बनने के बाद हर इंसान की सोच और प्राथमिकताएं बदल जाती हैं, और आलिया भट्ट भी इससे अलग नहीं हैं। बेटी राहा कपूर के जन्म के बाद से ही वह अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ के बीच संतुलन बनाने की कोशिश कर रही हैं। हाल ही में आलिया ने आध्यात्मिक गुरु सद्गुरु से पैरेंटिंग को लेकर बातचीत की, जिसमें उन्हें एक ऐसी सलाह मिली जिसने उनके नजरिए को पूरी तरह बदल दिया। सद्गुरु ने साफ कहा कि एक चिंतित माता-पिता कभी अच्छा पैरेंट नहीं बन सकता, और यही बात अब आलिया के दिल के बेहद करीब है।

आलिया भट्ट के लिए मां बनना एक खूबसूरत लेकिन जिम्मेदारी भरा अनुभव रहा है। राहा के आने के बाद उनकी जिंदगी का केंद्र पूरी तरह बदल गया है। अब उनकी हर छोटी-बड़ी चिंता बेटी के इर्द-गिर्द घूमती है। उन्होंने कई इंटरव्यू में स्वीकार किया है कि वह एक 'परफेक्ट मां' बनने का दबाव महसूस करती हैं। यही वजह थी कि उन्होंने पैरेंटिंग को बेहतर समझने के लिए सद्गुरु से मार्गदर्शन लेना जरूरी समझा।

साधगुरु ने आलिया को जो सबसे अहम बात बताई, वह थी– अगर आप हमेशा चिंता में रहेंगे, तो आप अपने बच्चे के लिए सही माहौल नहीं बना पाएंगे।उनके मुताबिक, पैरेंटिंग का मतलब सिर्फ बच्चे की सुरक्षा करना नहीं, बल्कि उसे एक स्वस्थ और सकारात्मक वातावरण देना भी है। उन्होंने समझाया कि माता-पिता की मानसिक स्थिति का सीधा असर बच्चे पर पड़ता है, इसलिए शांत और संतुलित रहना बेहद जरूरी है।

सद्गुरु की इस सीख के बाद आलिया ने तय किया है कि वह राहा की परवरिश में ज्यादा सहज और संतुलित रवैया अपनाएंगी। अब वह हर छोटी बात को लेकर ओवरथिंक करने के बजाय चीजों को नेचुरल तरीके से लेने की कोशिश करेंगी। उनका मानना है कि बच्चों को अपने अनुभवों से सीखने देना भी उतना ही जरूरी है, जितना उन्हें सही दिशा दिखाना।

काम और परिवार के बीच संतुलन की चुनौती

एक सफल एक्ट्रेस होने के साथ-साथ मां की जिम्मेदारी निभाना आसान नहीं होता। आलिया इन दिनों अपने फिल्मी प्रोजेक्ट्स और राहा की देखभाल के बीच संतुलन बनाने की कोशिश कर रही हैं। हालांकि, सद्गुरु की सलाह ने उन्हें यह समझने में मदद की है कि हर चीज को लेकर परफेक्शन की दौड़ में शामिल होना जरूरी नहीं है। कभी-कभी खुद को थोड़ा रिलैक्स रखना भी उतना ही अहम होता है।

पैरेंटिंग को लेकर बदली सोच ने दी नई सीख

आलिया भट्ट का यह अनुभव उन सभी माता-पिता के लिए एक सीख है, जो अक्सर अपने बच्चों को लेकर जरूरत से ज्यादा चिंतित रहते हैं। सद्गुरु की बातों ने यह साफ कर दिया कि एक खुश और संतुलित पैरेंट ही बच्चे को बेहतर माहौल दे सकता है। आलिया अब इसी सोच के साथ आगे बढ़ रही हैं और राहा के साथ हर पल को खुलकर जीने की कोशिश कर रही हैं।

79.44 करोड़ का ऐतिहासिक बजट पास : चौसा नगर पंचायत ने विकास की रफ्तार बढ़ाने का बनाया बड़ा रोडमैप

बक्सर (संवाददाता)। बक्सर जिले के चौसा नगर पंचायत ने वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए करीब 79.44 करोड़ रुपये का महत्वाकांक्षी और विकासोन्मुख बजट पारित कर नगर के समग्र विकास की दिशा में एक बड़ा और निर्णायक कदम उठाया है। यह बजट शहर के बुनियादी ढांचे को मजबूत बनाने, नागरिक सुविधाओं का विस्तार करने, स्वच्छता व्यवस्था सुधारने और सामाजिक कल्याण योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू करने पर केंद्रित है। नगर पंचायत का दावा है कि यह बजट आने वाले वर्षों में चौसा को एक आधुनिक, व्यवस्थित और सुविधायुक्त नगर के रूप में विकसित करने की मजबूत नींव साबित होगा।

बजट बैठक की अध्यक्षता नगर पंचायत अध्यक्ष किरण देवी ने की, जबकि बैठक का संचालन कार्यपालक पदाधिकारी (ईओ) रानी कुमारी ने किया। इस महत्वपूर्ण बैठक में सांसद और विधायक प्रतिनिधियों के साथ उपाध्यक्ष, वार्ड पार्षदों और नगर पंचायत के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया। बैठक के दौरान शहर के विकास से जुड़ी योजनाओं पर विस्तार से चर्चा हुई और पिछले वर्षों के वित्तीय आंकड़ों की समीक्षा कर भविष्य की प्राथमिकताओं को तय किया गया। नगर पंचायत द्वारा प्रस्तुत बजट में वित्तीय वर्ष 2024-25 और 2025-26 (दिसंबर तक) के आय-व्यय का गहन विश्लेषण किया गया। इसके आधार पर आगामी वर्ष के लिए संभावित आय और खर्च का यथार्थवादी आकलन तैयार किया गया है। बजट के अनुसार प्रारंभिक शेष राशि लगभग 6.40 करोड़ रुपये निर्धारित की गई है, जबकि आंतरिक राजस्व और केंद्र एवं राज्य सरकार से मिलने वाले अनुदानों को मिलाकर कुल अनुमानित आय लगभग 81.14 करोड़ रुपये आंकी गई है।

विकास कार्यों पर सबसे अधिक जोर : नगर पंचायत ने बजट में विकास कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए लगभग 49.39 करोड़ रुपये पूंजीगत कार्यों पर खर्च करने का प्रस्ताव रखा है। इन कार्यों में शहर के बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ करने वाली कई महत्वपूर्ण परियोजनाएं शामिल हैं। इनमें प्रमुख रूप से सड़क और पुल निर्माण, नए मार्केट कॉम्प्लेक्स का निर्माण, आधुनिक बस स्टैंड की स्थापना, सामुदायिक भवनों का निर्माण, सार्वजनिक शौचालय, रैन बसेरा, पुस्तकालय और ओल्ड एज होम जैसी परियोजनाएं शामिल हैं। साथ ही अशोक सम्राट भवन का निर्माण भी प्रस्तावित है, जो सामाजिक और सांस्कृतिक गतिविधियों के लिए एक महत्वपूर्ण केंद्र बनेगा। महिलाओं की सुरक्षा और सुविधा को ध्यान में रखते हुए शहर में पिंक टॉयलेट के निर्माण का प्रस्ताव भी इस बजट में शामिल किया गया है। यह पहल महिलाओं को सुरक्षित और स्वच्छ सार्वजनिक सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

प्रशासनिक और राजस्व व्यय : बजट में लगभग 30.05 करोड़ रुपये स्थापना और अन्य राजस्व व्यय के लिए निर्धारित किए गए हैं। इसमें नगर पंचायत के कर्मचारियों का वेतन, शहर की सफाई और रखरखाव, बिजली-पानी व्यवस्था, कार्यालय संचालन तथा अन्य प्रशासनिक खर्च शामिल हैं। नगर पंचायत का मानना है कि मजबूत प्रशासनिक व्यवस्था के बिना विकास योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन संभव नहीं है, इसलिए इस मद में पर्याप्त राशि रखी गई है।

स्वच्छता और आवास योजनाओं पर विशेष ध्यान : बजट में शहर की स्वच्छता व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए भी विशेष प्रावधान किए गए हैं। नगर पंचायत का लक्ष्य शहर को साफ-सुथरा, सुंदर और व्यवस्थित बनाना है। कचरा प्रबंधन, नियमित सफाई व्यवस्था और नागरिकों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए विशेष योजनाएं लागू की जाएंगी। इसके साथ ही प्रधानमंत्री आवास योजना के प्रभावी क्रियान्वयन पर भी जोर दिया गया है, ताकि जरूरतमंद परिवारों को पक्का घर उपलब्ध कराया जा सके। नगर पंचायत का उद्देश्य है कि शहर का कोई भी पात्र परिवार आवास की सुविधा से वंचित न रहे।

79.44 करोड़ का ऐतिहासिक बजट पास: चौसा नगर पंचायत ने बजट में धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजनों को भी महत्व दिया है। छठ महापर्व और दीपावली जैसे प्रमुख त्योहारों के दौरान शहर में बेहतर सफाई, रोशनी और सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए विशेष राशि निर्धारित की गई है। इससे नागरिकों को त्योहारों के दौरान बेहतर सुविधाएं मिल सकेंगी और शहर का सांस्कृतिक माहौल मजबूत होगा।

भविष्य के लिए बचत भी सुनिश्चित: नगर पंचायत ने वित्तीय अनुशासन बनाए रखते हुए बजट के अंत में लगभग 8.10 करोड़ रुपये शेष रहने का अनुमान जताया है। इस राशि को भविष्य की योजनाओं, आपातकालीन जरूरतों और आकस्मिक खर्चों के लिए सुरक्षित रखा जाएगा।

जनप्रतिनिधियों ने जताई उम्मीद : इस अवसर पर नगर पंचायत अध्यक्ष किरण देवी ने कहा कि यह बजट चौसा के विकास का नया अध्याय लिखेगा और आने वाले वर्षों में शहर को आधुनिक सुविधाओं से लैस बनाने में मदद करेगा। वहीं कार्यपालक पदाधिकारी रानी कुमारी ने भरोसा दिलाया कि सभी योजनाओं को पारदर्शी और समयबद्ध तरीके से लागू किया जाएगा, ताकि आम जनता को इसका सीधा लाभ मिल सके। कुल मिलाकर यह बजट चौसा नगर पंचायत के लिए विकास का एक विस्तृत रोडमैप साबित होगा, जिससे शहर में बुनियादी सुविधाओं का विस्तार, स्वच्छता में सुधार और नागरिकों के जीवन स्तर में उल्लेखनीय वृद्धि होने की उम्मीद है।

भाकपा माले के 11वें जिला सम्मेलन का भव्य आगाज़, झंडोत्तोलन के साथ गूंजे संघर्ष और जनाधिकार के स्वर

बक्सर (संवाददाता)। भाकपा माले (लिबरेशन) के 11वें जिला सम्मेलन की शुरुआत उत्साह और जोश के साथ झंडोत्तोलन कार्यक्रम से हुई। पार्टी के वरिष्ठ नेता कॉमरेड मनोहर जी ने झंडोत्तोलन कर सम्मेलन का औपचारिक शुभारंभ किया। इसके बाद सम्मेलन में मौजूद सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने पार्टी के शहीदों की स्मृति में दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यकर्ताओं ने शहीद वेदी पर माल्यार्पण और पुष्प अर्पित कर उनके संघर्षों को याद किया।

उद्घाटन सत्र के मंच पर पार्टी के राज्य सचिव कॉम कुणाल मुख्य अतिथि और उद्घाटनकर्ता के रूप में मौजूद रहे। उनके साथ पोलित ब्यूरो सदस्य कॉम अमर, पर्यवेक्षक कॉम राजू यादव, जिला सचिव कॉम नवीन कुमार, राज्य कमिटी सदस्य कॉम मनोहर जी, डुमरांव के पूर्व विधायक डॉ. अजीत कुमार सिंह तथा 'द जनमित्र' के संपादक विमल कुमार सिंह सहित कई वरिष्ठ नेता उपस्थित रहे। सभी अतिथियों को गमछा देकर सम्मानित किया गया और उन्होंने सम्मेलन को संबोधित किया।

उद्घाटन भाषण में राज्य सचिव कॉम कुणाल ने कहा कि देश और दुनिया इस समय गंभीर संकट के दौर से गुजर रहे हैं। उन्होंने वैश्विक स्तर पर जारी युद्ध और तनाव को विश्व शांति के लिए खतरा बताया तथा शांति, संप्रभुता और जनता के अधिकारों के पक्ष में खड़े रहने की बात कही। उन्होंने कहा कि देश के अंदर भी हालात चिंताजनक हैं और केंद्र सरकार की नीतियां किसानों, मजदूरों और आम जनता के हितों के खिलाफ जा रही हैं। उन्होंने चार श्रम संहिताओं (लेबर कोड) का उल्लेख करते हुए कहा कि मजदूरों के दशकों के संघर्ष से हासिल अधिकारों को सीमित किया जा रहा है। यूनियन बनाने, हड़ताल करने और उचित वेतन की मांग करने जैसे अधिकारों पर दबाव बढ़ रहा है, जबकि काम के घंटे मालिकों की मर्जी पर छोड़े जा रहे हैं। कॉम कुणाल ने बिहार की राजनीतिक स्थिति पर भी तीखी टिप्पणी करते हुए कहा कि राज्य में गरीबों और वंचितों के घरों पर बुलडोजर कार्रवाई तेज हुई है। उन्होंने आरोप लगाया कि विभिन्न जिलों में हजारों घर तोड़े गए हैं और बड़ी संख्या में परिवारों को बेघर करने की तैयारी चल रही है। उन्होंने इसे लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ बताया।

भूमि अधिग्रहण और रोजगार का मुद्दा : सम्मेलन को संबोधित करते हुए पूर्व विधायक डॉ. अजीत कुमार सिंह और अन्य वक्ताओं ने कहा कि विकास परियोजनाओं के नाम पर किसानों की जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया तेज हो गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि भारतमाला परियोजना और अन्य योजनाओं के तहत उपजाऊ जमीन कम कीमत पर ली जा रही है, जिससे किसानों के सामने आजीविका का संकट पैदा हो रहा है। वक्ताओं ने कहा कि राज्य में उद्योग-धंधों के अभाव और रोजगार के सीमित अवसरों के कारण युवाओं में निराशा बढ़ रही है। आरक्षण और शिक्षा से जुड़े मुद्दों पर भी सरकार की नीतियों की आलोचना की गई। सम्मेलन में वक्ताओं ने दलितों, वंचितों, अल्पसंख्यकों और महिलाओं की सुरक्षा को लेकर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि समाज में बढ़ती हिंसा और उत्पीड़न की घटनाओं को रोकने के लिए ठोस कदम उठाने की जरूरत है।

आंदोलन का आह्वान

सम्मेलन में नेताओं ने कार्यकर्ताओं से लोकतंत्र, संविधान और नागरिक अधिकारों की रक्षा के लिए संघर्ष तेज करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि बिहार हमेशा सामाजिक न्याय और लोकतांत्रिक मूल्यों की लड़ाई में अग्रणी रहा है और आगे भी यह भूमिका जारी रखनी होगी। इस मौके पर जगन्नारायण शर्मा, हरेंद्र राम, ओम जी, राजदेव सिंह, वीरेंद्र यादव, अखिलेश ठाकुर, अंकित सिद्धार्थ, जितेंद्र राम, ऊषा देवी, रामदेव सिंह, कन्हैया महतो, कन्हैया राम, संजय शर्मा, सर्वेश पांडे, शिवजी राम, संध्या पाल, बीर बहादुर पासवान सहित कई नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहे। सम्मेलन के साथ जिले में संगठन को मजबूत करने और जन मुद्दों को लेकर आंदोलन तेज करने की रणनीति पर भी चर्चा की गई।

'प्रवेश से प्रगति तक' थीम पर मध्य विद्यालय नदाँव में संगोष्ठी

मेधावी और नियमित विद्यार्थियों का हुआ सम्मान

बक्सर (संवाददाता)। मध्य विद्यालय नदाँव में सोमवार को 'प्रवेश से प्रगति तक - विद्यालय और अभिभावक साथ-साथ' विषय पर छात्र-शिक्षक-अभिभावक संगोष्ठी का भव्य आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में अभिभावकों की भागीदारी ने विद्यालय और परिवार के बीच मजबूत तालमेल का सकारात्मक संदेश दिया। पूरे कार्यक्रम के दौरान विद्यालय परिसर उत्साह, गर्व और प्रेरणा के माहौल से भरा रहा।

कार्यक्रम के दौरान अभिभावकों को अपने बच्चों का प्रगति पत्र दिखाया गया और उनकी शैक्षणिक प्रगति के साथ-साथ उनके सर्वांगीण विकास की जानकारी साझा की गई। विद्यालय प्रबंधन ने विद्यार्थियों की उपलब्धियों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से एक विशेष सम्मान समारोह का आयोजन किया। इस अवसर पर नियमित उपस्थिति बनाए रखने वाले तथा पढ़ाई और अन्य गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को पौधा, पेन, मेडल, प्रगति पत्र और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। विशेष रूप से कक्षा 6 के टॉप-10 विद्यार्थियों को मंच पर बुलाकर सम्मानित किया गया, जिससे अन्य बच्चों में भी आगे बढ़ने की प्रेरणा दिखाई दी।

सम्मान समारोह के दौरान बच्चों के चेहरों पर खुशी और आत्मविश्वास साफ झलक रहा था। इस पहल से विद्यार्थियों में पढ़ाई के प्रति उत्साह बढ़ाने और नियमित विद्यालय आने के प्रति प्रेरणा देने का प्रयास किया गया। संगोष्ठी में शिक्षकों और अभिभावकों के बीच संवाद का विशेष सत्र भी आयोजित किया गया। शिक्षकों ने अभिभावकों से बच्चों की पढ़ाई, अनुशासन और दैनिक उपस्थिति से जुड़े महत्वपूर्ण प्रश्न पूछे। उन्होंने जानने की कोशिश की कि क्या बच्चे रोज विद्यालय आने के लिए उत्साहित रहते हैं और पढ़ाई-लिखाई में रुचि दिखाते हैं। इस संवाद के माध्यम से अभिभावकों को भी बच्चों की शिक्षा में अपनी जिम्मेदारी और भूमिका को बेहतर ढंग से समझने का अवसर मिला। कार्यक्रम में रूपा कुमार, बाबूलाल सिंह, प्रियंका देवी (सत्यम की माता), अमन कुमार सहित कई अभिभावकों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। सभी अभिभावकों ने विद्यालय की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए बेहद महत्वपूर्ण और प्रेरणादायक हैं। इस पूरे आयोजन का नेतृत्व प्रधानाध्यापक डॉ. सुरेंद्र कुमार सिंह ने किया। उनके साथ वर्ग शिक्षिका प्रीति कुमारी, शिक्षक सत्यनारायण सिंह, जयप्रकाश सिंह, अनंत कुमार, रागिनी गुप्ता, नसर आलम हाशमी सहित विद्यालय के सभी शिक्षकों ने कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

समाधि बाबा के 30वें वार्षिक उत्सव पर नियाज़ीपुर में उमड़ा जनसैलाब, 24 घंटे अखंड हरि कीर्तन से गूंजा पूरा क्षेत्र

बक्सर (संवाददाता)। जिले के नियाज़ीपुर बाजार स्थित ब्रह्मलीन महर्षि करुणा निधान, जिन्हें श्रद्धालु श्रद्धा और प्रेम से 'समाधि बाबा' के नाम से जानते हैं, की पावन स्मृति में उनके 30वें वार्षिक उत्सव का आयोजन अत्यंत श्रद्धा और भव्यता के साथ किया गया। इस अवसर पर मंदिर परिसर में 24 घंटे का अखंड हरि कीर्तन आयोजित किया गया, जिसने पूरे क्षेत्र को भक्ति और आध्यात्मिक ऊर्जा से सराबोर कर दिया।

उत्सव के दौरान नियाज़ीपुर बाजार और आसपास का पूरा इलाका भक्तिमय माहौल में डूबा रहा। दूर-दराज के गांवों और कस्बों से हजारों की संख्या में श्रद्धालु इस आयोजन में शामिल होने पहुंचे। श्रद्धालुओं ने पूरे उत्साह और भक्ति भाव के साथ हरि नाम संकीर्तन में भाग लिया। लगातार 24 घंटे तक गूंजते भजन, कीर्तन और मंत्रोच्चार ने वातावरण को पूरी तरह आध्यात्मिक बना दिया। हर ओर 'हरी नाम' की मधुर ध्वनि सुनाई दे रही थी, जिससे श्रद्धालु भाव-विभोर होकर भक्ति में लीन नजर आए।

इस धार्मिक आयोजन को विशेष बनाने के लिए मंदिर परिसर को भव्य तरीके से सजाया गया था। रंग-बिरंगी रोशनी, फूल-मालाओं और आकर्षक सजावट से मंदिर की सुंदरता देखते ही बन रही थी। शाम होते ही पूरा परिसर रोशनी से जगमगा उठा, जिससे श्रद्धालुओं का उत्साह और बढ़ गया। आयोजन समिति द्वारा श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए व्यापक व्यवस्थाएं की गई थीं। बैठने की पर्याप्त व्यवस्था, पेयजल, प्रसाद वितरण और सुरक्षा सहित सभी आवश्यक सुविधाओं का विशेष ध्यान रखा गया, ताकि किसी भी श्रद्धालु को किसी प्रकार की असुविधा न हो। आयोजन समिति के सदस्यों ने बताया कि समाधि बाबा के सम्मान में यह धार्मिक परंपरा पिछले 30 वर्षों से लगातार निभाई जा रही है। हर वर्ष नियाज़ीपुर, अर्जुनपुर और दूल्हपुर सहित आसपास के गांवों के श्रद्धालु मिलकर इस आयोजन को सफल बनाते हैं। समय के साथ इस उत्सव की भव्यता और श्रद्धालुओं की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है।

विशाल भंडारे में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

अखंड हरि कीर्तन के समापन के पश्चात विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें हजारों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। सुबह से लेकर देर शाम तक भंडारे में श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लगी रहीं। आयोजन समिति और स्वयंसेवकों ने पूरे समर्पण के साथ सेवा करते हुए श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया।

शांति और भाईचारे का संदेश

स्थानीय लोगों का कहना है कि समाधि बाबा की कृपा और आशीर्वाद से यह आयोजन हर वर्ष और अधिक भव्य रूप ले रहा है। यह कार्यक्रम केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक ही नहीं, बल्कि क्षेत्र में आपसी प्रेम, सद्भाव और भाईचारे को मजबूत करने का माध्यम भी है। इस आयोजन के जरिए समाज में सकारात्मक ऊर्जा और एकता का संदेश फैलता है। कुल मिलाकर समाधि बाबा के 30वें वार्षिक उत्सव ने नियाज़ीपुर को पूरी तरह भक्तिमय वातावरण में रंग दिया।

डिजिटल शासन से बदलता बक्सर, सशक्त होती अनुसूचित जातियाँ

बक्सर/आरा (संवाददाता)। वर्तमान समय डिजिटल क्रांति का युग है, जहाँ तकनीक केवल सुविधा का माध्यम नहीं, बल्कि सामाजिक परिवर्तन का सशक्त उपकरण बन चुकी है। शासन की पारंपरिक कार्यप्रणाली, जो कभी जटिल, समय-साध्य और आमजन से दूर मानी जाती थी, आज डिजिटल माध्यमों के कारण सरल, पारदर्शी और सुलभ होती जा रही है। इस बदलाव का सबसे सकारात्मक प्रभाव समाज के कमजोर वर्गों, विशेषकर अनुसूचित जातियों पर देखने को मिल रहा है।

बिहार के बक्सर जिले में डिजिटल शासन ने एक नए सामाजिक परिवर्तन की नींव रखी है। पहले जहाँ जानकारी के अभाव, सामाजिक पिछड़ेपन और प्रशासनिक दूरी के कारण अनुसूचित जातियाँ सरकारी योजनाओं से वंचित रह जाती थीं, वहीं अब तकनीक ने इस दूरी को कम कर दिया है। मोबाइल, इंटरनेट और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के माध्यम से अब योजनाओं की जानकारी सीधे लोगों तक पहुँच रही है।

ग्राम स्तर पर कॉमन सर्विस सेंटर (CSC) इस परिवर्तन के केंद्र बनकर उभरे हैं। इन केंद्रों के माध्यम से लोग पेंशन, राशन कार्ड, छात्रवृत्ति और अन्य योजनाओं के लिए स्वयं आवेदन कर रहे हैं। इतना ही नहीं, वे अपनी समस्याओं की ऑनलाइन शिकायत दर्ज कर उसकी स्थिति की निगरानी भी कर पा रहे हैं। इससे न केवल उनकी प्रशासनिक सहभागिता बढ़ी है, बल्कि उनमें अधिकारों के प्रति जागरूकता और आत्मविश्वास भी विकसित हुआ है।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता (Artificial Intelligence) का बढ़ता उपयोग इस प्रक्रिया को और अधिक प्रभावी बना रहा है। डेटा आधारित विश्लेषण के माध्यम से यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि योजनाओं का लाभ सही पात्र व्यक्तियों तक पहुँचे। इससे पारदर्शिता और जवाबदेही को बल मिला है, जो सामाजिक न्याय की आधारशिला है। पंचायत स्तर पर भी यह बदलाव स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है। अनुसूचित जाति के लोग अब ग्राम सभा में सक्रिय भागीदारी निभाने के साथ-साथ डिजिटल माध्यमों से भी अपनी आवाज प्रशासन तक पहुँचा रहे हैं। इससे उनकी सामाजिक पहचान मजबूत हुई है और वे विकास की मुख्यधारा से जुड़ने लगे हैं।

हालाँकि, इस सकारात्मक परिवर्तन के बावजूद कुछ चुनौतियाँ अब भी विद्यमान हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में इंटरनेट की सीमित उपलब्धता, डिजिटल साक्षरता का अभाव तथा आर्थिक बाधाएँ इस प्रक्रिया में अवरोध उत्पन्न करती हैं। अत: आवश्यक है कि सरकार डिजिटल साक्षरता को बढ़ावा देने के साथ-साथ तकनीकी संसाधनों को अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाने के लिए ठोस प्रयास करे। निष्कर्षत:, डिजिटल शासन और कृत्रिम बुद्धिमत्ता केवल तकनीकी प्रगति के प्रतीक नहीं हैं, बल्कि ये सामाजिक सशक्तिकरण के प्रभावी माध्यम भी हैं। बक्सर जैसे जिलों में यह परिवर्तन अनुसूचित जातियों के लिए समानता, सहभागिता और न्याय की नई संभावनाएँ खोल रहा है। यदि इस दिशा में निरंतर प्रयास किए जाएँ, तो यह बदलाव एक व्यापक सामाजिक क्रांति का रूप ले सकता है।

-अजमेरी अली
शोधार्थी, लोक प्रशासन
वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय, आरा

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक मतिउर्रहमान द्वारा अजीमाबाद प्रिंटर्स, आर. सी. एफ./105, ग्राउण्ड फ्लोर, बी. एच. कॉलोनी, भूतनाथ रोड, कंकड़बाग, पटना- 800026 बिहार से मुद्रित एवं अमला टोली, मेन रोड़, बक्सर -802101, बिहार से प्रकाशित, संपादक- मतिउर्रहमान, E-mail:- qalamlok@gmail.com, Regn. No. BIHHIN/2017/72480